हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 346 | बेमेतरा, शनिवार 02 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पटना के एम्स में कार्यरत नर्स के घर में 2 बच्चे जले मिले, जिंदा जलाने का शक

पटना। बिहार की राजधानी पटना में रोंगटे खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नर्स के घर में 2 बच्चों के शव जली हुई अवस्था में मिले हैं, जिससे सनसनी फैल गई है। घटना जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव की है। पीड़ित महिला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना में नर्स शोभा देवी हैं। मृतक बच्चों के नाम अंजलि कुमारी (14) और अंशु (12) हैं। दोनों बच्चों के शव बिस्तर में जली अवस्था में मिले हैं। जब बच्चे दोपहर बाद स्कूल से घर लौटे थे, तब शोभा देवी और उनके पति ललन कुमार गुप्ता घर पर नहीं थे। शोभा एम्स में थीं। जब वे घर पहुंचीं तो घर से धुआं निकल रहा था और अंदर जाने पर दोनों बच्चों का जला हुआ शव बिस्तर पर पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। ग्रामीणों ने दोनों बच्चों की हत्या का शक जताया है। उनका कहना है कि अपराधियों ने बच्चों को अकेला पाकर जिंदा जलाया है। कुछ लोग संपत्ति से जुड़ा विवाद भी बता रहे हैं।

फर्जी एफआईआर से लेकर जाली दस्तावेज तक की पूरी साजिश बेनकाब

धौलपुर । प्रयागराज पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो हाईकोर्ट में जाली दस्तावेजों और फर्जी हस्ताक्षरों के सहारे केस को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। यह गिरोह राजस्थान के धौलपुर से जुड़ा है, जहां से इस साजिश की शुरुआत हुई थी। गिरफ्तार लोगों में संजीव गौड़, उनकी पत्नी अराधना गौड़ और राजेश कुमार शामिल हैं। इन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक हेल्थकेयर कंपनी के खिलाफ फर्जी दस्तावेज पेश करने, झूठी एफआईआर दर्ज करवाने और अदालत को भ्रमित करने का आरोप है। नोएडा की हेल्थकेयर कंपनी की शिकायत पर प्रयागराज के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने न सिर्फ हाईकोर्ट में फर्जी दस्तावेज दिए, बल्कि धौलपुर के थानों में तीन झूठी एफआईआर भी दर्ज करवाई थीं।

सारण पुलिस की आवाज़ दो मुहिम को मिली बड़ी सफलता

सोनपुर। विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक, बिहार ने सारण एसएसपी डॉ. कुमार आशीष को मानव तस्करी और बाल/महिला उत्पीड़न के खिलाफ बेहतरीन कार्य करने के लिए पुरस्कृत किया। इस मौके पर कई अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी और जिलों /प्रभाग/ संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सारण पुलिस की उपलब्धियाँ : कुल मुक्त कराई गई बालिकाएं: 191 , कुल दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर): 24 , कुल गिरफ्तार अभियुक्त (तस्कर/शोषक): 69 , सफल पुनर्वास की गई बालिकाएं: 50त्न से अधिक।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की तारीखों का एलान

9 सितंबर को होगा मतदान और नतीजा भी उसी दिन...

नई दिल्ली/ एजेंसी

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। नतीजे मतदान के दिन यानी 9 सितंबर को ही घोषित किए जाएंगे। जगदीप धनखड़ के 22 जुलाई को इस्तीफा देने के बाद यह पद रिक्त हो गया था।भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग भारत के उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराता है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 66(1) के अनुसार, भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। इसमें राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम की बात करें तो 1974 के नियम 40 के अनुपालन में निर्वाचन आयोग को इस निर्वाचक मंडल के सदस्यों की एक अद्यतन सूची, उनके नवीनतम पते सहित, तैयार करने और बनाए रखने का अधिकार है। इससे पहले चुनाव आयोग ने बताया था कि उसने उप राष्ट्रपति चुनाव, 2025 के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। इन सदस्यों को एक सतत क्रम में सूचीबद्ध किया गया है। सभी सदस्यों को वर्णमाला क्रम में उनके संबंधित सदनों के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के आधार पर व्यवस्थित किया गया है। इससे पहले धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनके कार्यकाल की समाप्ति में अभी दो साल से ज्यादा का समय बाकी था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने इस्तीफे में लिखा, 'स्वास्थ्य का ध्यान रखने और चिकित्सकों की सलाह का पालन करने के लिए मैं संविधान के अनुच्छेद 67(क) के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। धनखड़ के इस्तीफे के दो दिन बाद ही चुनाव आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। हालांकि, धनखड़ ने अपने पांच साल के कार्यकाल के केवल दो साल के भीतर इस्तीफा दिया, फिर भी उनके उत्तराधिकारी को पूरा पांच साल का कार्यकाल मिलेगा, न कि शेष बचा हुआ समय। आगामी चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को स्पष्ट बढ़त हासिल है। 543 सदस्यीय लोकसभा में पश्चिम बंगाल के बशीरहाट की एक सीट रिक्त है, जबकि 245 सदस्यीय राज्यसभा में पांच रिक्तियां हैं। राज्यसभा की पांच रिक्तियों में से चार जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की यह सीट पिछले महीने हुए उपचुनाव में राज्य विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। दोनों सदनों की प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और जीतने वाले उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होगी, बशर्ते सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को 542 सदस्यों में से 293 का समर्थन प्राप्त है। सत्तारूढ़ गठबंधन को राज्यसभा में 129 सदस्यों (प्रभावी सदस्य संख्या 240) का समर्थन प्राप्त है, बशर्ते कि मनोनीत सदस्य राजग उम्मीदवार के समर्थन में मतदान करें। सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। संविधान के अनुच्छेद 66 (1) में प्रावधान है कि उपराष्ट्रपति का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से होगा।

उपराष्ट्रपति पद के लिए संभावित उम्मीदवार

हरिवंश नारायण सिंह: वर्तमान में राज्यसभा के उपसभापति और बिहार से जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सांसद हैं। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के करीबी माने जाते हैं। इनके पास सदन चलाने का लंबा अनुभव और मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि है।

थावरचंद गहलोत: वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भी उप-राष्ट्रपति बनाया जा सकता है। दलित समुदाय से होने के कारण इस उप-राष्ट्रपति के रेस में सबसे आगे हैं।

ओम माथुर: भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम माथुर भी उप-राष्ट्रपति पद की रेस में बने हुए हैं। राजस्थान में उनका मजबूत राजनीतिक आधार है।

रामनाथ ठाकुर: बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर के बड़े पुत्र कर्पूरी ठाकुर भी उप-राष्ट्रपति पद की रेस में हैं। हाल ही में जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इस बात की चर्चा और तेज हो गई थी।

ट्रंप का टैरिफ धमाका

निशाने पर 92 देश, भारत शामिल-7 से होगा लागू

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2024 के रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा ऐलान करते हुए 92 देशों पर टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने का फैसला किया है। इस सूची में भारत का भी नाम शामिल है, जबकि हैरानी की बात यह है कि चीन का नाम इस सूची में नहीं है। ये टैरिफ 7 अगस्त 2025 से लागू होंगे। ट्रंप की टीम द्वारा जारी की गई सूची में दक्षिण एशिया, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देशों के नाम हैं। भारत, वियतनाम, ब्राज़ील, मैक्सिको, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे बड़े निर्यातक देश भी इस फैसले की

चपेट में आए हैं। ट्रंप का तर्क है कि ये देश अमेरिका के साथ अनुचित व्यापार व्यवहार कर रहे हैं और घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ट्रंप ने इसे 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का हिस्सा बताया है और कहा कि इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को ताकत मिलेगी। इस फैसले में चीन को टैरिफलिस्ट से बाहर रखा गया है, जिससे व्यापार विशेषज्ञ हैरान हैं। ट्रंप प्रशासन पहले चीन पर सख्त टैरिफ लगाता रहा है, लेकिन नई रणनीति में चीन को छोड़ देना राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाले टेक्सटाइल, कैमिकल, मशीनरी और फार्मा प्रोडक्ट्स पर अतिरिक्त शुल्क लगने की संभावना है। इससे भारतीय निर्यातकों को प्रतिस्पर्धा में कठिनाई हो सकती है और अमेरिकी बाजार में उनकी हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है

भगवा आतंकवाद कहनेवाले कांग्रेस नेता माफी मांगें

नई दिल्ली। मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट के फैसले पर उमा भारती ने कहा कि भगवा आतंकवाद कहने वाले कांग्रेस नेताओं को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को कलंकित करने का प्रयास किया गया था। साध्वी प्रज्ञा और अन्य आरोपियों के बरी होने पर मैं राहत महसूस कर रही हूं। बता दें कि एनआईए कोर्ट ने बीजेपी की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं।

सांसद कंगना रनौत को झटका

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका...

चंडीगढ। बॉलीवुड अभिनेत्री व हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कंगना रनौत की तरफसे दायर उस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने बठिंडा की अदालत में उनके खिलाफ चल रही आपराधिक मानहानि की शिकायत को रद्द करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ धारा 499 और 500 आईपीसी के तहत अभियोग बनता है और मजिस्ट्रेट

द्वारा जारी समन आदेश विधि सम्मत है। यह विवाद एक ट्वीट को लेकर है, जिसे कंगना ने किसान आंदोलन के दौरान पोस्ट किया था। उन्होंने एक ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा था कि 'हा हा हा यह वही दादी हैं।

ऋण धोखाधड़ी मामले में

ईडी ने अनिल अंबानी को पांच को पूछताछ के लिए तलब किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अनिल अंबानी को कथित ?17,000 करोड़ के ऋण धोखाधड़ी मामले की चल रही जाँच के सिलसिले में पूछताछ के लिए तलब किया है। वित्तीय अपराध जांच एजेंसी ने पिछले हफ्ते रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 50 कंपनियों और 25 लोगों के ठिकानों पर छापे मारे। जांच के घेरे में आए दो ऋण यस बैंक द्वारा आरएचएफएल और आरसीएफएल को दिए गए थे। ईडी ने रिलायंस

समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी को उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिए तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार (1 अगस्त, 2025) को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मामला दिल्ली में दर्ज होने की वजह से अंबानी (66) को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि एजेंसी अंबानी के पेश होने पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। उनके समूह की कंपनियों के कुछ अधिकारियों को भी अगले कुछ दिन में पेश होने के लिए कहा गया है। पिछले सप्ताह संघीय एजेंसी ने 50 कंपनियों के 35 परिसरों और अनिल के व्यापारिक समूह के अधिकारियों समेत 25 लोगों के परिसरों पर छापे मारे थे। 24 जुलाई को शुरू हुई यह छापेमारी तीन दिन तक जारी रही थी।

कर्नाटक धर्मस्थल मामला: छठी जगह खुदाई में मिले मानव अवशेष

बेंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल से जुड़े कथित सामूहिक बलात्कार और हत्याकांड में विशेष जांच दल एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। मामला का खुलासा करने वाले व्यक्ति और मंदिर के पूर्व सफाई कर्मी की निशानदेही पर आज छठे स्थान पर खुदाई की गई। यहां एसआईटी को मानव कंकाल के अवशेष मिले हैं। मामले में इसे निर्णायक मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि अब तक 5 जगहों की खुदाई में कुछ नहीं मिला था। सूत्रों ने एसआईटी सूत्रों के हवाले से कहा है कि छठे स्थान पर कंकाल के अवशेष मिले हैं। एसआईटी ने इन्हें बरामद कर लिया है।

खरगे ने उपसभापति को लिखा पत्र

राज्यसभा वेल में सीआईएसएफ जवानों का आना आपत्तिजनक

नई दिल्ली।/ एजेंसी

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सदन के वेल में सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी पर कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों को मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। इसको लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन के उपसभापति को पत्र लिखकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर चिंता जताई है। सभी विपक्षी दलों की ओर से लिखते हुए, खड़गे ने कहा, हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि जिस तरह से सीआईएसएफ कर्मियों

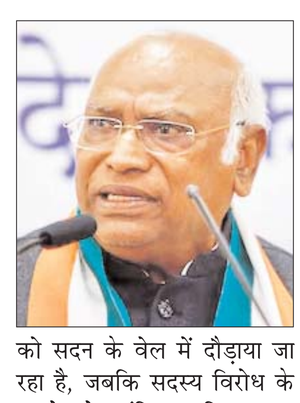

को सदन के वेल में दौड़ाया जा रहा है, जबकि सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। खड़गे ने आगे कहा कि हमने इसे कल और आज भी देखा। क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। खड़गे ने आगे मांग की कि उपसभापति यह सुनिश्चित करें कि जब भी सदस्य जनहित के मुद्दे उठाएँ, सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में न आएँ। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राज्यसभा के सभापति के अचानक और अभूतपूर्व इस्तीफे के बाद, अब हम राज्य सभा के सदन पर सीआईएसएफ के जवानों का कब्ज़ा देख रहे हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इस चौंकाने वाले घटनाक्रम पर राज्यसभा के उपसभापति को पत्र लिखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय-छत्तीसगढ़ के विकास को मिली नई रफ्तार

1 नवंबर को 'अमृत रजत महोत्सव' में पीएम मोदी को दिया न्यौता

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज संसद भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को 1 नवंबर 2025 को रायपुर में आयोजित अमृत रजत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार की भावी योजनाओं, विकास की प्राथमिकताओं और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख विषयों की जानकारी भी दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में राज्य गठन की 25वीं वर्षगांठ अमृत रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक होगा और प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति से इसकी महत्ता और भी बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ तेज़ी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 'अंजोर विज़न ऋ2047' दस्तावेज़ तैयार किया है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ के समावेशी और सतत विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह विज़न दस्तावेज़ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, नवाचार और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में सुधार और नवाचार-आधारित पहलों पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र सरकार के जन विश्वास अधिनियम 2023 से प्रेरणा लेते हुए राज्य में जन विश्वास विधेयक 2025 पारित किया है, जिससे न्याय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है और आम नागरिकों की पहुंच अधिक

सुलभ एवं सहज बनी है। राजधानी नवा रायपुर के सुनियोजित और तीव्र विकास हेतु गठित छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की जानकारी भी मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से साझा की। उन्होंने बताया कि इस प्राधिकरण के माध्यम से राजधानी क्षेत्र को एक आधुनिक, स्मार्ट एवं तेज़ी से विकसित शहरी केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को राज्य में औद्योगिक निवेश और रोज़गार सृजन के क्षेत्र में हो रही उल्लेखनीय प्रगति की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लागू की गई नई औद्योगिक नीति 2024-30 के परिणामस्वरूप राज्य में निवेशकों की रुचि निरंतर बढ़ रही है। नीति के तहत सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किया गया है, जिससे उद्योगों की स्थापना सरल, त्वरित और पारदर्शी बनी है। 1000 से अधिक व्यक्तियों को रोज़गार प्रदान करने वाले उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 के बीच अब तक 84 कंपनियों से कुल 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नवा रायपुर में देश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की नींव रखी जा चुकी है, और एआई डेटा सेंटर का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। इसी प्रकार, टेक्सटाइल, फार्मा, रेडीमेड गारमेंट और आईटी सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ को तकनीकी और औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है। आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल संसाधनों और प्रशिक्षित शिक्षकों के सहयोग से शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी जानकारी दी कि राज्य सरकार मेडिसिटी और एडु सिटी जैसी दो नई महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं पर तेज़ी से कार्य कर रही है।

संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पर बने लिफ्ट बंद...स्वच्छता के नाम पर सिर्फ दिखावे का खेल,सभी जगह अव्यवस्था का आलम...

संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पर बने लिफ्ट बंद,दिव्यांगो को हो रही परेशानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा संयुक्त जिला कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट के सामने दिव्यांगों एवं बुजुर्गों की सहूलियत के लिए तैयार की गई लिफ्ट कई महीनो से बंद दिव्यांग बुजुर्ग आज भी बड़ी मशक्कत और परेशानियों के सामना करते हुए तीन फ्लोर पर बने विभागीय दफ्तरों पर काम काज को लेकर आना जाना करते हैं। दिखावे के लिए लिफ्ट की व्यवस्था आखिर क्यों नहीं हो रहा सुध जिम्मेदार कौन दिव्यांग बुजुर्गों की कब सुनेंगे फरियाद नौकरियों से लेकर दिव्यांगों के हक अधिकार पर कब तक डालता रहेगा ढाका या एक बड़ा सवाल है। मीडिया के माध्यम से जिला कलेक्ट एवं जिला पंचायत अध्यक्ष को मौके पर लिफ्ट बंद होने की सूचना दी गई थी।

जहां सिर्फ आश्वासन दिया गया था जल्द सुधार करने का किंतु सुधार होने के बजाय लिफ्ट आज भी बंद है और दिव्यांग और बुजुर्ग सीढ़ियों से बड़ी परेशानियों से गुजर कर आना-जाना करने पर मजबुर हैं। लोग सैकड़ो की

संख्या में यहां से आना जाना करते हैं सभी को पता है की लिफ्ट बंद होने से बुजुर्गो व दिव्यांगो को सीढ़ियों से ऊपर नीचे आने पर समस्या होता है। विभागीय अधिकारी कर्मचारी भी यहां से आना-जाना करते हैं सब अपने आप में स्वस्थ है मस्त है किसी को किसी की कोई चिंता नहीं । बेमेतरा जिले के संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पर बने लिफ्ट सिर्फदिखावे के लिए है । अधिकारी कर्मचारी सहित सैकड़ों लोग इस जगह गुजरते हैं किंतु हकीकत ऐ है की लोगों को अपनी काम काज में व्यस्त हैं। जबकि बुजुर्गो व दिव्यांगों को सीढ़ियों पर चढ़ने उतने में काफी परेशानी होती है मगर जिम्मेदार अफसर अपनी खुली आंखों में सब देखकर कैसे अंजान हो जाते हैं जो मानवता को शर्मशार कर रहा है।

-कमलेश कुमार साहू, (दिव्यांग)

हमारे जैसे ना जाने कितने बुजुर्ग और दिव्यांग अपनी समस्याओं के समाधान पाने के संयुक्त कलेक्ट्रेट आते हैं किंतु उन सदस्यों से बड़ी चुनौती और समस्या अधिकारियों के पास जाने के सीढ़ियों पर चढ़ने की समस्या बड़ी चुनौती रहती है। निवेदन है की इस समस्या का जल्द समाधान करें।

हेमकुमार निषाद दिव्यांग

श्रद्धांजलि सभा रक्षित केंद्र पुलिस ऑफिसर्स मेस बेमेतरा परिसर में आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते 31 जुलाई 2025 को आरक्षक यशपाल राजपूत के आकस्मिक निधन पर आज रक्षित केंद्र पुलिस ऑफिसर्स मेस, बेमेतरा परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान स्व. आरक्षक यशपाल राजपूत को 2 मिनट का मौन धारण कर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्व. यशपाल राजपूत जिला विशेष शाखा बेमेतरा में पदस्थ रहते हुए आसूचना संकलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को अत्यंत ईमानदारी, लगन एवं परिश्रम के साथ संपन्न कर रहे थे। वे अपने कार्य के प्रति पूर्णतः अनुशासित एवं समर्पित रहे, जिससे विभाग को सदैव लाभ प्राप्त हुआ। उनके असमय निधन से बेमेतरा पुलिस को अपूरणीय क्षति पहुँची है। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, रक्षित

निरीक्षक प्रवीण खलखो, उप निरीक्षक बल्लू राम सोरी, सहायक उप निरीक्षक मोहन लाल साहू, जितेन्द्र कश्यप, कृष्ण कुमार क्षत्री, गौकरण वर्मा, जाहिर खान, दिलीप सिंह सहित थाना/चौकी, रक्षित केंद्र, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं अन्य विभागीय अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एन एच चापा-कोरबा रोड जमनीपाली टोल प्लाजा के शुरुआत मे ही विवाद

अभद्र व्यवहार व अधिक टोल राशि को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि व भाजपा नेता झाम लाल साहू ने जमकर किया हंगामा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

एन एच 149 बी चांपा कोरबा रोड जमनीपाली टोल प्लाजा को चालू हुए चार ही दिन हुए है और विवाद होना प्रारम्भ हो गया है 28 जुलाई को स्थानीय भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष भाजपा पिवमो व पूर्व क्षष्ठ झाम लाल साहू, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र बिंझवार, ऋषभ राठौर, निमेश राठौर, मनोज राठौर, संतोष राठौर, सूर्यकान्त राठौर

सहित जनप्रतिनिधि और आस पास के सैकड़ो ग्रामीण टोल प्लाजा पहुंच गए और लोकल गाड़ी से अधिक राशि लेने का विरोध करने लगे तथा कर्मचारियों के द्वारा गाली देकर अभद्र व्यवहार किए उस कर्मचारी को बाहर निकालने के लिए जमकर हंगामा हुआ जिस पर टोल के अधिकारी ने इसका खंडन किया बोले की हमारे कर्मचारी गाली गलौच नही किये है कहने लगा। इस मामले में भाजपा नेता झाम लाल साहू का कहना है लोकल गाड़ी वालो को मासिक पास दिया जाए टोल मे छूट दिया जाए स्कूल वाहन 4-5 किलोमीटर की दुरी से बच्चो को लेने के लिए कई बार आना जाना पड़ता है आस पास के निवासी है इसलिए अन्य वाहनों जैसे शुल्क नही देंगें। झाम लाल साहू ने ह्मद्ब के परियोजना निदेशक ज्ञानेश्वर पार्लवार से मिलकर स्थानीय बेरोजगारों को नौकरी मे रखने के लिए बोले साथ केंद्र सरकार की न्यूनतम मजदूरी 526 रुपया तहत भुगतान करवाने के लिए कहा अभी वहा कर्मचारियों को 283 रुपया की दर से दिया जा रहा है।

नाबालिक बालिका के साथ अनाचार करने वाला आरोपी को बिहार से किया गिरफ्तार,थाना नवागढ़ पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में आरोपी द्वारा नाबालिक बालिका को शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर कर भगा ले गया था। आरोपी रोहित कुमार दास पिता लाल दास उम्र 20 वर्ष निवासी नीरपुर थाना चौथम जिला खगड़िया बिहार। आरोपी के विरूद्ध धारा 137 (2), 64(2) (द्व) क्चहस् 4, 6 पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मामले में नाबालिक बालिका को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने की सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 02.05.25 को थाना नवागढ़ में अपराध क्र. 189/25 धारा 137 (2) क्चहस् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्क) के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जांजगीर विजय कुमार पैकरा के कुशल मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी नवागढ़ निरीक्षक अशोक वैष्णव के नेतृत्व में सायबर की मदद से आरोपी और अपहता पतासाजी हेतु टीम नीरपुर बिहार भेजा गया जहां से अपहता को आरोपी रोहित कुमार के कब्जे से बरामद कर किया जाकर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया को नाबालिक बालिका को शादी करने का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सीईओ हेमंत नंदनवार को बीजापुर प्रशासन ने दी आत्मीय विदाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बीजापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार का स्थानांतरण महासमुंद जिले के सीईओ पद पर होने के उपरांत शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में विदाई समारोह आयोजित किया गया। नंदनवार 2 फरवरी 2024 से बीजापुर जिले में अपनी सेवाएं दे रहे थे और इस अवधि में उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

विदाई समारोह में उपस्थित जिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने नंदनवार के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा किया। एक विशेष वीडियो फिल्म के माध्यम से उनके योगदान को प्रदर्शित किया

गया। कलेक्टर संबित मिश्रा और पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने नंदनवार को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि नंदनवार की कार्यशैली, प्रशासनिक समझ और टीम भावना सराहनीय रही है। उन्होंने उनके उज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना,एसडीएम जागेश्वर कौशल, पुलिस विभाग के अधिकारी, जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट में लंबित जमीन की कर दी गई रजिस्ट्री

कांकेर/मूक पत्रिका

वर्ष 2019 से उच्च न्यायालय बिलासपुर में लंबित होने के बावजूद उसके आदेश को ठेंगा दिखाते हुए विवादित जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई। कंकालिन पारा स्थित राधेश्याम गुप्ता की खाली जमीन का पारिवारिक विवाद होने के कारण भूमि का प्रकरण विलासपुर हाईकोर्ट में लंबित है। आरोप है कि इस बीच गोपनीय तरीके से रसूखदारों ने दलाल, पटवारी और आरआई के साथ डायवर्टेड भूमि को कृषि बताकर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री तक करा दी है, जिसमें विभाग को 11 लाख रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। इस मामले में एसडीएम को विवादित जमीन से जुड़ी न्यायालय में लंबित मामले की जानकारी लगते ही उन्होंने सभी आदेशों को स्थगित करने का निर्देश जारी किए। लेकिन न तो आरआई और न ही पटवारी पर कार्रवाई की है। शहर के रफीक मेमन लट्टीपारा के नाम एक एकड़ भूमि, मेडिकल कालेज के डाक्टर मनीष जैन और शीतला मेडिकल के संचालक कमलेश केवलरमानी ने 56 डिसमिल जमीन खरीदी है। रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। राजस्व विभाग ने इस प्रकार राजस्व निरीक्षक कांकेर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन से सहमत होते हुए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 59 के नियम एक (क) दो, तीन, चार व 15, 16 के तहत आवेदक राधेश्याम गुप्ता पिता स्व. बिंदेश्वरी गुप्ता, जाति वैश्य, निवासी राजापारा कांकेर के भूमि स्वामी हक में ग्राम कांकेर, पहनं. 24, तहसील

जमीन दलाल, पटवारी और आरआई पर आरोप-डायवर्ट को कृषि भूमि बताकर राजस्व शुल्क का लगाया चूनायह गंभीर मामलाः गोस्वामी सुनील गोस्वामी, जिला महामंत्री कांग्रेस ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। आवासीय भूमि को कृषि बताकर रजिस्ट्री की है। उच्च न्यायालय में लंबित मामला होने के बाद भी राजस्व विभाग की लापरवाही उजागर हो रही है। बड़े पैमाने पर सरकार को राजस्व राशि का नुकसान हुआ है। मामले की

हर पल खतरे के बावजूद जर्जर स्कूल भवन में शिक्षा ग्रहण करने बच्चे मजबूर, चारामा ब्लॉक के ग्राम भिलाई के प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय का बुरा हाल

कांकेर/मूक पत्रिका

चारामा समीप ग्राम भिलाई के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं की स्थिति इन दिनों बेहद दयनीय हो चुकी है। प्राथमिक विद्यालय में जहां 39 बच्चे अध्ययनरत हैं वहीं माध्यमिक विद्यालय में कुल 59 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। लेकिन दोनों ही स्कूल भवनों की स्थिति गंभीर रूप से जर्जर हो चुकी है जिससे बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।बारिश के मौसम में स्कूल की छतों से पानी टपकता है जिससे लगातार कक्षाएं बाधित हो रही हैं।कई कमरों में दरवाजे और खिड़कियां पूरी तरह से टूट चुकी हैं। वहीं विद्यालय परिसर में लाइट की भी सुविधा नहीं है। सबसे गंभीर समस्या यह है कि स्कूल परिसर में अब तक बाउंड्रीवाल का निर्माण नहीं किया गया है।ग्रामीणों ने बताया कि बीते पांच वर्षों से नए

स्कूल भवन के निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था की मांग लगातार प्रशासन से की जा रही है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। चूंकि यह क्षेत्र जंगल और पहाड़ से घिराहुआ है इसलिए यहां अक्सर जंगली जानवरों विशेषकर भालू गांव में देखे जाते रहे हैं। स्कूल में चारदीवारी सुरक्षित दरवाजों की कमी स्कूली बच्चों के लिए जान का खतरा बनते जा रही है। औरग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल स्कूल की मरम्मत व नई बिल्डिंग निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो किसी बड़े हादसे से भी इंकार नहीं किया जा सकता। अब देखना यह है कि इस खबर के लगने के बाद इस विद्यालय की विभिन्न समस्याओं को सुधारने के लिए विभाग किस तरह से प्रयास करती है।

किसानों के लिए आफत बना कोकोड़ी का एथेनाल (मक्का) प्लांट - बुधराम नेताम

कोंडागांव/मूक पत्रिका

मीडिया के माध्यम से प्राप्त जानकारी अनुसार कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी की एक टीम निरिक्षण करने कोकोड़ी पहुंची।कोकोड़ी स्थित मक्का प्रोसेसिंग एथेनाल प्लांट से निकला वेस्ट किसानों के लिए आफत बन गया है कांग्रेसियों की टीम मौके खेत मे जाकर नुकसान हुए फसलों को देखा किसानों से रूबरू हुए। जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम ने कहा किसानों ने बताया और हमने देखा वास्तव मे प्लांट का अपशिष्ट प्लांट से लगे खेतों मे जा रही है जिससे खेतों मे लगे धान की फ़सल को सीधे सीधे नुकसान पहुंच रहा है खेत मे लगा धान रोपा पूरा का पूरा मर चुका है वहीं खेत के भीतर लद्दी की तरह वेस्ट आकर बैठ गया है जो की किसानों के लिए आफत है किसान अपने फ़सल को नुकसान होते देख सरकार से गुहार लगा रहें

हैं वहीं कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बेतुका बयान आना किसानों व क्षेत्रवासियों का अपमान है आदिवासियों का अपमान है कांग्रेस पार्टी इसकी कड़ी निंदा करती है और मांग करती है सरकार और स्थानीय प्रशासन किसानों की इस समस्या की ओर ध्यान दे और प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट के लिए स्थाई समाधान निकालें निकासी बनाया जाये ताकि किसानों को स्थानीय ग्रामीणों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।स्थानीय लोगों को प्लांट से निकले बदबू से भी काफ़ी परेशानी हो रही है आस पास के किसान हों या राहगीर सभी मुंह नाक बंद किये बिना पार नहीं हो सकते ऐसी स्थिति है इस ओर भी प्रशासन को ध्यान देने की जरूरत है।किसानों को हो रही परेशानी के लिए प्रशासन अगर त्वरित एक्शन नहीं लेती तो कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र प्रदर्शन किया जायेगा किसानों को न्याय मिलते तक हमारी लड़ाई जनहित मे जारी रहेगी। जिला कांग्रेस कमेटी के निरिक्षण टीम मे जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम, पूर्व जिलाध्यक्ष झूमूकलाल दीवान, महामंत्री रितेश पटेल,मंडल अध्यक्ष,नंदू दीवान,जिला सचिव उमर मेमन मौजूद रहे।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू की उपस्थिति में सुरक्षा व कानून व्यवस्था के मद्देनजर, कानून व्यवस्था की तैयारी हेतु बेमेतरा पुलिस द्वारा माकड्रिल (बलवा ड्रिल) व वज्र वाहन से अश्रु गैस चलाने की विधि के संबंध में अभ्यास का आयोजन

वज्र वाहन होने से कम बल में भी हालात किए जा सकेंगे नियंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को रक्षित केन्द्र बेमेतरा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह की उपस्थिति में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के उद्देश्य से बेमेतरा पुलिस द्वारा माकड्रिल (बलवा ड्रिल) व वज्र वाहन से अश्रु गैस चलाने की विधि के संबंध में अभ्यास का आयोजन किया गया। जिसे पुलिस की शब्दावली में बलवा ड्रिल भी कहा जाता है। वाहन से एनाउंसमेंट के साथ प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने में इस्तेमाल किया जा सकेगा। वज्र वाहन नई तकनीक से लैस है, व्यवस्था बनाए रखने में इसे उपयोग में लाया जाता हैं वाहन के ऊपरी हिस्से में लगा चैंबर खोलते हैं। वज्र वाहन होने से कम बल में भी हालात नियंत्रित किए जा सकेंगे। बार-बार अश्रु गोले सिस्टम में लगाने की जरूरत नहीं लगेगी। इसमें फ़र्स्ट एड बॉक्स के साथ स्ट्रेचर भी हैं। घायलों के लिए एंबुलेंस जैसा काम करेगा। ऑपरेटर भी साथ रहेगा। जिसमें रक्षित निरीक्षक, थाना एवं चौकी स्टाफ

सहित रक्षित केन्द्र, पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा संबंधित पुलिस बल के अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित हुए। इस माकड्रिल का उद्देश्य संभावित आपातकालीन स्थिति में त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। बलवा ड्रिल अभ्यास में रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, उप निरीक्षक बल्लू राम सोरी, सहायक उप निरीक्षक मोहन लाल साहू, जितेन्द्र कश्यप, कृष्ण कुमार क्षत्री, गौकरण वर्मा, जाहिर खान, दिलीप सिंह, माधव सिंह, राममिलन सिंह सहित रक्षित केन्द्र, पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्टाफ एवं थाना/चौकी के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। यह माकड्रिल अभ्यास क्रमिक रूप से जिले के समस्त पुलिस बल के साथ आगे भी जारी रहेगा, ताकि कानून व्यवस्था की किसी भी स्थिति में प्रभावी और सुनियोजित ढंग से कार्य किया जा सके।

जेम पोर्टल के संबंध में कार्यशाला सम्पन्न

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा भंडार क्रय नियम 2002 के अंतर्गत शासकीय विभागों में क्रय की जाने वाली सामग्रियों के संबंध में जेम पोर्टल के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक जेवियर टोप्पो ने कार्यशाला में उपस्थित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी का कार्यशाला के जेम पोर्टल के संबंध में जानकारी दी। कार्याशाला में वरिष्ठ सहायक निदेशक जेम अमित उपाध्याय द्वारा जेम पोर्टल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जेम पोर्टल से खरीदी, रिवर्स बीडिंग, जीएफआर एवं भंडार क्रय नियम के बारे में बताया। कार्यशाला में प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र विजय कारे सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शिवभक्ति में लीन होगा रायपुर, नगर वासियों से कावड़ यात्रा में शामिल होने की अपील: राजेश मूणत

सनातन धर्म प्रेमियों की आस्था का केंद्र भगवान शिव, मूणत ही नहीं सभी सनातनी कावड़ यात्रा के आयोजक

- यह कोई राजनैतिक आयोजन नहीं सभी दलों के सनातन प्रेमियों को कावड़ यात्रा में निमंत्रण :- राजेश मूणत
- रायपुर पश्चिम से निकलेगी भव्य कावड़ यात्रा राजधानी होगी शिवभक्ति मय
- राजेश मूणत की अगुवाई में बाजे गाजे संग निकलेगी विशाल कावड़ यात्रा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रविवार - बीते शुक्रवार सुबह रायपुर पश्चिम विधानसभा से प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में होने जा रहा है जिसकी तैयारिया को लेकर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने आज एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया जहां आगामी 3 अगस्त को होने वाली कावड़ यात्रा के संबंध में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को विस्तार से जानकारी प्रदान की उन्होंने कहा कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हमारे द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन रायपुर पश्चिम में किया जाना है जिसके संदर्भ में कार्यक्रम का पूर्ण विवरण देने और साथ ही आपके सुझाव लेने इस पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा का यह कार्यक्रम अपनी भव्यता के लिए सदैव राजधानी सहित आसपास चर्चित रहा है । इस वर्ष हम कावड़ यात्रा 2025 को और भी भव्यता से करने जा रहे हैं जहां सिर्फ एक विधानसभा या एक राजनैतिक दल के व्यक्ति नहीं सम्मिलित होंगे अपितु पूरे रायपुर के सभी सनातन के मानने वाले इस कावड़ यात्रा में आमंत्रित हैं यह कोई राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है अपितु पवित्र श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ के प्रति भक्ति और समर्पण की पवित्र कावड़ यात्रा है । आप सभी पत्रकार बंधुओं के माध्यम से मै पूरे रायपुर के सनातन धर्म के मानने वालों को कावड़ यात्रा 2025 के लिए सहृदय निमंत्रित करता हूं । महादेव के भक्त कावड़ यात्रा में पधारें और धर्म लाभ लें हम सभी सनातन प्रेमी गुढ़यारी हनुमान मंदिर से कावड़ उठा कर शहर के प्रमुख मार्गो से होकर रायपुर के महादेव घाट स्थित हटकेश्वर नाथ महादेव को कावड़ अर्पित करेंगे उक्त कावड़ में 7 अलग अलग नदियों का पवित्र जल होगा इस पवित्र कावड़ माध्यम से हम भगवान भोलेनाथ से हमारे प्रदेश की सुख , शांति , खुशहाली , समृद्धि और वैभव की मंगलकामनाएं करते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों से आई झांकियां और बाजे गाजे होंगे मुख्य आकर्षण-राजेश मूणत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए आगे कहा कि सर्वप्रथम महामंडलेश्वर श्री कान्हा जी महराज द्वारा महामृत्युंजय पार्थिव शिवलिंग का पूजन 7 नदियों के पवित्र जल से किया जाएगा उक्त पूजन में मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ नेतागण और रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे । हमने इस वर्ष कावड़ यात्रा को और भी अधिक भव्यता और वैभव प्रदान करने हमने स्थानीय लोक कलाकारों के अलावा अन्य प्रदेशों के कलाकारों को भी अपनी प्रस्तुति देने निमंत्रित किया है जैसे की दिल्ली से पहली बार महाकाल अघोरी प्रस्तुति बड़े नंदी के साथ , केरला का ट्रेडिशन बैंड और केरला फ्लावर गर्ल्स की प्रस्तुति , कथक कली नृत्य केरला की प्रस्तुति , आरंग से (हनुमान जी , जामवंत जी , परशुराम जी भगवान श्री गणेश सहित अन्य देवताओं की चल झांकी) , उज्जैन मध्यप्रदेश में बाबा महाकाल की सवारी में डमरू और ढोल बजाने वाली टीम , उत्तर प्रदेश से अघोरी नृत्य की प्रस्तुति देने वाली टीम , उत्तर प्रदेश से ही युवतियों द्वारा मां काली की जीवंत झांकी का प्रदर्शन , उड़ीसा के बाहुबली कट्टपा की वेशभूषा में संबलपुरी बाजे में प्रस्तुति देने वाले चर्चित कलाकारों की टीम , छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध नृत्य कलाकारों जैसे आदिवासी नृत्य , पंथी नृत्य और राउत नाचा की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का दल , स्केटिंग से रंगोली डालने वाले विश्वप्रसिद्ध कलाकार , भगवान भोलेनाथ की चलित झांकी और प्रदेश के प्रमुख ढोल धुमाल पार्टी अपनी अपनी प्रस्तुति देंगे जो कावड़ यात्रा का मुख्य आकर्षण होगा ।

रायपुर के सनातनी समाज से कावड़ यात्रा में शामिल होकर भव्यता प्रदान करने और धर्म लाभ लेने की अपील-रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने बाबा हटकेश्वर नाथ में जलाभिषेक हेतु निकाली जा रही कांवड़ यात्रा के संदर्भ में रायपुर में निवासरत सभी सनातन बंधुओं से सार्वजनिक अपील करते हुए कहा कि । ÷यह यात्रा सामाजिक समरसता, शिवभक्ति और नगर की संस्कृति का उत्सव है। सभी शिवभक्तों से आग्रह है कि समय पर उपस्थित होकर यात्रा का हिस्सा बनें और शहर की धार्मिक गरिमा , सनातन धर्म प्रेमी शिवभक्ति में लीन होकर धर्म लाभ ग्रहण करें ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ,विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह सहित सभी प्रमुख नेता रहेंगे उपस्थित :- राजेश मूणत-उन्होंने आगे कहा की कावड़ यात्रा का आयोजन विशुद्ध रूप से गैर राजनैतिक कार्यक्रम है इसमें पूरे रायपुर शहर के समस्त सनातनी बंधु बांधव सादर आमंत्रित हैं ऐसे में आप सभी की महती जिम्मेदारी है की आप सभी को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने आ रहे समस्त सनातनी धार्मिक बंधुओं माताओं बहनों भोले भक्तों के लिए कावड़ सहित समस्त व्यवस्थाएं श्रेष्ठता से करनी है चूंकि कावड़ यात्रा में अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय , पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह , रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल , रायपुर जिले के सभी 7 विधानसभाओं के विधायक एवं अन्य सभी वरिष्ठ भाजपा नेताओ सहित अन्य दलों के नेताओं , सामाजिक संस्थाओं और सनातन धर्म के प्रमुख साधु संतो महात्माओं की सम्मानित उपस्थिति रहेगी ऐसे में कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखना एवं सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तरीय रखना हम सभी की जिम्मेदारी है ।मीडिया के माध्यम से राजधानी रायपुर सहित आसपास के सभी शिवभक्तों सनातन धर्म प्रेमियों को कावड़ यात्रा में सम्मिलित होकर कावड़ यात्रा में धर्म लाभ लेने निमंत्रित करता हूं ।

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए करेंगे श्रावणी कांवड़ यात्रा

चरौदा शिव मंदिर से सोमनाथ मंदिर तक करेंगे कांवड़ यात्रा

धरसीवां/मूक पत्रिका

भगवान भोलेनाथ पर अपार आस्था और विश्वास के साथ प्रतिवर्ष हमारे प्रदेश व देश में लाखों कांवड़ यात्री कई किलोमीटर की कठिन यात्रा करके भगवान शिवजी का जलाभिषेक करने के लिए विभिन्न मंदिरों की यात्रा करते हैं और शिवभक्ति की इस परंपरा को आगे ले जाते हैं। हमारे छत्तीसगढ़ के धरसींवा विधानसभा से भी प्रतिवर्ष सावन माह में हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री सोमनाथ मंदिर में महादेव को जल अर्पित करने कांवड़ यात्रा करते हैं। इसी कड़ी में धरसींवा विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ने भी इस वर्ष एक ऐसा संकल्प लिया है जो शिवजी के प्रति उनकी अटूट आस्था और विश्वास के साथ ही जनसेवा एवं हर व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे उस निर्मल भावना को दर्शाती है। उनके द्वारा स्वयं कंधो पर आस्था और विश्वास एवं मन में छत्तीसगढ़ व क्षेत्र-प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना लिए वे चरौदा शिव मंदिर से सोमनाथ मंदिर कि कांवड़ यात्रा में जा रहे हैं। अनुज शर्मा का यह संकल्प एक जनप्रतिनिधि होने के नाते अपने कर्तव्यों का निर्वहन हेतु उनकी तत्परता एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों तक हमारी सनातन परंपरा एवं धार्मिक महत्व के गौरवशाली इतिहास के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध होगा। छत्तीसगढ़ की जनता और प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली के लिए विधायक अनुज शर्मा के द्वारा 3 अगस्त दिन रविवार सुबह 7 बजे को विशाल कांवड़ यात्रा निकालेंगे और दूसरे दिन सोमवार को सुबह 5 बजे सोमनाथ मंदिर में हजारों कांवड़ियों के साथ जलभिषेक करेंगे7 विधायक शर्मा ने बताया की 3 अगस्त को निकलने वाला विशाल कांवड़ यात्रा बड़े ही धूम धाम से गाजे बाजे के साथ निकलेगा, मैं सभी क्षेत्रवासियों से आग्रह करता हू कि बड़ी से बड़ी संख्या में आप सभी इस विशाल कांवड़ यात्रा के सहभागी बने। सम्मिलित होने वाले सभी शिव भक्तों के लिए भोजन एवम ठहरने कि व्यवस्था होगी।

प्रा.शाला ज्ञान ज्योति बरबांधा के विद्यार्थियों के सामने निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भी फीके नजर आते हैं

शिक्षक खिलावन चतुर्वेदी का विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका अनोखा

धमतरी/नगरी /बरबांधा/मूक पत्रिका

शिक्षक का हुनर ऐसा की हर एक विद्यार्थी है होशियार, निजी स्कूलों से अपने बच्चों को निकाल इस स्कूल में पालक करवाते हैं अपने बच्चों का दाखिला । अन्य विद्यालय के तुलना में यहां के सभी विद्यार्थी अपने से एक कक्षा ऊपरी ज्ञान रखते हैं । यदि शिक्षा विभाग में एल.आई.सी. वाले शिक्षक है तो वहीं शिक्षा विभाग का नाम रोशन करने वाले खिलावन राम चतुर्वेदी जैसे गुणवान शिक्षक भी हैं, जी हां शासकीय प्राथमिक शाला ज्ञान ज्योति बरबांधा में पदस्थ प्रधान पाठक खिलावन राम चतुर्वेदी का पढ़ाने का तरीका कुछ ही कुछ खास है। जहां पहली कक्षा के बच्चे हिंदी बड़ी आसानी से पढ़ लेते हैं । शाला के तीसरी चौथी के विद्यार्थी फर्राटेदार अंग्रेजी पढ़ लेते हैं। इतना ही नहीं गणित में भी विद्यार्थीयो की अच्छी पकड़ हैं। कक्षा पहली में 9 विद्यार्थी, कक्षा दूसरी में 6 विद्यार्थी और चौथी में 7 विद्यार्थी हैं। विद्यालय की कुल दर्ज संख्या 22 है। विद्यालय चारों तरफ से घने जंगलों से घिरा हुआ है । अक्सर सुनने में आता है कि आसपास के गांव में कोटवारो द्वारा मुनियादी किया जाता है कि ÷बाहर जंगल की तरफ मत जाना यहां जानवर खुले आम घूम रहे हैं÷ और ऐसी परिस्थिति में बच्चे घने जंगलों को पार करके विद्यालय जाते हैं। आसपास के ग्रामों में विद्यालय होने के बावजूद अच्छी पढ़ाई के देखकर पालक अपने बच्चों को यहां दाखिला करवाते हैं। शाला तक पहुंचने में शिक्षकों को होती हैं परेशानी। यहां सड़क तो है पर कोई काम का नहीं बारिश के दिनों में रास्ते इतने खराब हो जाते है कि रास्ता में राहगीर चल ही नहीं सकता। गुणवत्ता हीन सड़क होने की वजह से बारिश में सड़क का किसी प्रकार से उपयोग नहीं किया जा रहा है।एकल शिक्षकीय होने की वजह से पालकों से द्वारा मानसेवी शिक्षक का व्यवस्था किया गया था। पर अभी यहां के लिए शिक्षा विभाग द्वारा एक पद पर मानसेवी शिक्षक की भर्ती निकाली गई है। उक्त पद को किसी योग्य उम्मीदवार की भर्ती कर पुरी की जाएगी ।

तिल्दा के स्कूलों में 500 पौधों का रोपण: हरियर पाठशाला को मिली नई ऊर्जा

जिला प्रशासन का पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम: घिवरा संकुल के 11 स्कूलों में पौधे रोपे गए

रायपुर/मूक पत्रिका

जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत घिवरा संकुल में बीते शुक्रवार को राज्य शासन की पर्यावरण संरक्षण संबंधी दो महत्वाकांक्षी योजनाओं ङ्क ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ एवं ÷हरियर पाठशाला÷ - के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार स्कूलों में हरियाली तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने संकुल स्तरीय आयोजन के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक तथा हाई स्कूलों सहित कुल 11 विद्यालयों में लगभग 500 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। इस आयोजन को जनभागीदारी के पर्व के रूप में रूपांतरित करते हुए छात्रों के अभिभावकों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ पौधारोपण किया। शासकीय हाई स्कूल घिवरा परिसर में ही 400 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, जिनमें छायादार व फलदार पौधे प्रमुख रूप से शामिल थे। पौधों की देखभाल एवं संरक्षण हेतु विद्यालयों की शाला प्रबंधन एवं विकास समितियों (स्खष्ट), ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और छात्रों ने सामूहिक संकल्प लिया। सभी उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समितियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने पर्यावरण सुरक्षा में सहभागी बनते हुए पौधों को वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। संकुल प्रभारी प्राचार्य दीपक गुप्ता एवं संकुल समन्वयक कैलाश बघेल ने संकुल स्तरीय इस वृक्षारोपण अभियान की सफलता में सहयोग देने वाले सभी प्रतिनिधियों, शाला समितियों, संस्था प्रमुखों, शिक्षकों एवं छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के नेतृत्व में जिले में हरियर पाठशाला के तहत पौधरोपण किया जा रहा है। यह आयोजन ने न केवल विद्यालय परिसरों को हरियाली से समृद्ध किया, बल्कि छात्रों एवं अभिभावकों में पर्यावरणीय चेतना को भी जाग्रत किया। ÷एक पेड़ लगाना है, धरती को स्वर्ग बनाना है÷ के प्रेरक संदेश के साथ यह कार्यक्रम तिल्दा विकासखंड के लिए एक अनुकरणीय पहल बन गया।

'प्रोजेक्ट दधीचि': रायपुर में अंगदान को लेकर युवाओं में जागरूकता, RJ नरेंद्र ने लिया संपूर्ण देहदान का संकल्प

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा चलाया जा रहा प्रोजेक्ट 'दधीचि' अब समाज में मानव सेवा का प्रतीक बन रहा है। इस अनूठी पहल ने अंगदान को लेकर लोगों, विशेषकर युवाओं में नई जागरूकता पैदा की है।अब तक जिले में 16 लोगों ने अंगदान कर इस अभियान को समर्थन दिया है। इसका उद्देश्य शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को अंगदान के लिए प्रेरित करना है। इस कड़ी में बीते शुक्रवार को राजधानी के जाने-माने रेडियो जॉकी नरेंद्र सिंह ने एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपना संपूर्ण देहदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उन्हें सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया। नरेंद्र सिंह, जो पेशे से ऋछ्ठ होने के साथ-साथ एक लेखक और अभिनेता भी हैं, ने कहा, ÷अंगदान महादान है। मेरे अंगों से यदि किसी को जीवन मिल सकता है, तो इससे बड़ी सेवा और क्या हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस निर्णय में उनके माता-पिता ने उनका पूरा समर्थन किया। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को 'प्रोजेक्ट दधीचि' के माध्यम से जनजागरण के लिए धन्यवाद भी दिया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे आगे आकर अंग एवं देहदान के इस महान कार्य में भागीदार बनें। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन एवं प्रोजेक्ट दधीचि प्रभारी प्रभात सक्सेना उपस्थित रहे।

आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने तीन जिलों के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की

आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था को दुरुस्त कर बच्चों को उपलब्ध करवाएं बेहतर माहौल: आदिम जाति कल्याण मंत्री नेताम

कोंडागांव /मूक पत्रिका

प्रदेश के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के मंत्री रामविचार नेताम ने गुरुवार को जिला कार्यालय कोंडागांव के सभाकक्ष में बस्तर, नारायणपुर एवं कोंडागांव जिले के विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। साथ ही बीज एवं उर्वरक वितरण तथा किसानों के हित में कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए कृषि अर्थव्यवस्था की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को बीज एवं खाद की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही विभागीय योजनाओं का कारगर क्रियान्वयन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें । बैठक में विधायक एवं उपाध्यक्ष बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण सुश्री लता उसेण्डी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम एवं कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना उपस्थित रहे। आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री नेताम ने आश्रम-छात्रावास एवं विशिष्ट संस्थाओं के भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यों को तीन माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावासों की नियमित साफ-सफाई और बिजली, पेयजल, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि वहां रहने वाले बच्चों के साथ संवेदनशीलता के साथ बर्ताव हो और खुशनुमा माहौल प्रदान करें। उन्होंने सभी सहायक आयुक्त को निर्देशित किया कि आश्रम-छात्रावासों में साफ-सफाई नियमित तौर पर सुनिश्चित करें। बच्चों को मौसमी बीमारी से बचाव एवं उपचार, खाद्य सामग्री में स्वच्छता और गुणवत्ता का ध्यान रखने के साथ ही भोजन में मिलेटस को भी शामिल करने को कहा। उन्होंने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना और प्रधानमंत्री जन मन योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महात्वाकांक्षी योजना है, जो जनजातीय परिवार के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली है। उक्त योजनांतर्गत कार्यों को संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें। कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री नेताम ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने विभाग द्वारा अधिकृत कृषि केन्द्रों या कंपनी के बीज ही खरीदने हेतु किसानों को जागरूक करने पर बल दिया। मंत्री नेताम ने कृषि एवं उद्यानिकी फसलों को और अधिक उन्नत बनाने तथा योजनाओं की पहुंच सभी किसानों तक सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने उद्यानिकी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर हेतु युवाओं को प्रशिक्षण देने एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रयास करने के निर्देश दिए। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि मिट्टी के स्वास्थ्य रिपोर्ट के आधार पर ही किसान उर्वरक का प्रयोग करें, इस दिशा में ध्यान केंद्रीत किया जाए। मंत्री नेताम ने उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए मसाला फसल क्षेत्र विस्तार अंतर्गत हल्दी के उत्पादन के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कार्य करने को कहा। उन्होंने सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्राप्त भूमि में औषधीय फसल लेने के लिए प्रेरित करनें और पर्यटन से जोड़ने का भी सुझाव दिया। साथ ही स्थानीय तौर पर विलुप्त हो रहे खेक्सी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाने कहा। मंत्री ने जिले में ऑयल पॉम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस क्षेत्र में नवाचार करने कहा। मंत्री श्री नेताम ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराएं। शासन की योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का मॉनिटरिंग करने हेतु अधिक से अधिक फील्ड विजिट करें और किसानों से नियमित संवाद करते रहें और समन्वय बनाए रखें।

विधायक एवं उपाध्यक्ष बस्तर विकास प्राधिकरण सुश्री लता उसेण्डी ने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में रहने वाले सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिले, यह सुनिश्चत करें। वहीं केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने आश्रम-छात्रावासों में सीसीटीवी, सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने भी जिले में कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। बैठक में आदिवासी विभाग के अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता, कृषि विभाग के अपर संचालक सीबी लोढ़ेकर सहित बस्तर, नारायणपुर और कोंडागांव जिले के कृषि तथा आदिवासी विकास विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

संपादकीय

इसमें यूएस का घाटा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। यूएस की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। एक एआई समिट में उन्होंने कहा, 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी काबिलियत के दम पर जगह बनाई है। पिछले साल की एक रिसर्च के मुताबिक, सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में बमुश्किल 1.5 प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय 5-6 प्रतिशत इनकम टैक्स अदा करते हैं। अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है।

इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका मैगा पूरा नहीं हो सकता।

ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है। यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ। फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है।

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को पीयूष गोयल ने बताया गेमचेंजर

अशोक भाटिया

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील हुई है, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध का नया अध्याय शुरू होगा। 24 जुलाई, 2025 को लंदन में भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार को 2030 क यानि अगले चार-पांच सालों में 120 अरब यूएस डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट से निकल जाने के बाद पहली बार किसी देश के साथ इतनी बड़ी डील की हो। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है। यह एक गेमचेंजर समजौता है । यूनाइटेड किंगडम के माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह यूके का ब्रेक्जिट के बाद का सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है।

ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है । यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ। फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, स्टारर ने यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब भारत के साथ। उन्होंने यूरोप के साथ समझौते को दोनों के लिए और भारत के लिए जीत का सौदा बताया। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा इंग्लैंड कुछ ऐसा चाहता था। उन्हें यह इन अनुबंधों के माध्यम से मिला। यह हमारी जरूरत भी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने प्रधानमंत्री के आजीवन मित्र रहे डोनाल्ड ट्रंप को एक मुश्किल जगह पर दर्द महसूस होने लगा है। इसके अलावा चीन जो दुविधा पैदा कर रहा है, वह भी है। इन दोनों देशों को छोड़कर यूरोप के साथ व्यापार समझौता भी अधर में लटका हुआ है। ना कहने के लिए, हमने अब तक 14 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन जब संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मॉरीशस, मलेशिया, चिली,

अफगानिस्तान, आदि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड किंगडम के विकल्प नहीं हैं, तो हमें एक मजबूत व्यापार समझौते की आवश्यकता थी जो दोनों की जरूरतों को पूरा करता हो।

इससे अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार 12 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। वर्तमान में, भारत ब्रिटेन से आयात से अधिक निर्यात करता है। लेकिन फिर भी उस देश के बाजार में भारत का हिस्सा दो प्रतिशत भी नहीं है। यह अब बढ़ेगा, क्योंकि इस समझौते में, लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ताकि वे कर-मुक्त हों। कपड़ा, कोल्हापुरी चप्पलें, आप उस देश में अधिक थोक दवाएं / रसायन, आभूषण आदि बेच सकेंगे। साथ ही लक्जरी कारों, महंगी शराब, गैर-कानूनी सेवाओं को इंग्लैंड से भारत में अधिक स्वतंत्र रूप से आपूर्ति की जाएगी। आप इंग्लैंड के सबसे बड़े चांदी आयातक होंगे। इस समझौते के बाद, ब्रिटेन के चांदी के लेनदेन भारत में चांदी के हो जाएंगे। भारत से दो प्रमुख मुद्दे उस देश में भारतीय शराब की मुक्त गुंजाइश और साथ ही, उस देश में शराब की बिक्री थे। इसे भारतीयों के कप में आसानी से गिरने दें। यह कुछ हद तक आसान होगा। कुछ हद तक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ब्रिटिश शराब पर भारत में लगाया गया आयात कर सिर्फ एक मुद्दा है। आयात कर कम हो जाएगा, लेकिन साथ ही इससे केंद्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, माल और सेवा कर आदि में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस समझौते का लाभ शराब कंपनियों की तुलना में शराब कंपनियों को अधिक होगा। उनके लक्जरी करों के कारण, केवल 350 रुपये में बेची जाने वाली व्हिस्की की बोतल भारतीय बाजार में 3100 रुपये से अधिक महंगी होगी। नए समझौते से मुश्किल से 300 रुपये का अंतर आएगा। दूसरा मुद्दा भारतीय बाजार में कानूनी सलाह देने वाली ब्रिटिश कंपनियों को मुफ्त दरवाजा देना होगा। 2035 तक, ब्रिटिश कानून फर्मों को भारत में सहायक कंपनियां स्थापित करने की अनुमति देने के लिए कुछ कदम उठाए जाएंगे। यह कहा जा सकता है कि हमने कुछ दिया है, व्यापार के संदर्भ में बहुत कुछ लिया है।

हालांकि, इस समझौते का असली फायदा ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों को होगा। शिक्षकों, खानसेम और यहां तक कि बड़ी संख्या में हाल के योग गुरुओं को उस देश में अधिक अवसर मिलेंगे। भारतीय तकनीशियनों और कंप्यूटर विशेषज्ञों को मुफ्त में वीजा दिया जाएगा और उनकी संख्या भी बढ़ेगी। इसे शुद्ध लाभ के रूप में देखा जाना चाहिए या नहीं? यह प्रश्न। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास पहले से ही ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो विदेश जाना चाहते हैं। वह किसी भी पद पर विदेश जाने के लिए उत्सुक है। इंग्लैंड के पास अब उन लोगों के लिए अधिक अवसर होंगे जो ऐसी मातृभूमि को त्यागना चाहते हैं। भले ही यह प्रवासी वर्ग उस देश में रहकर पाउंड में कमाता हो, और अधिक जोश के साथ भारत माता का जाप करें! इसलिए अंतिम लाभ इंग्लैंड को होगा। वह भी दोगुना। एक, जो लोग संयुक्त राज्य अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके कदम इंग्लैंड की ओर मुड़ जाएंगे, और दूसरा, इंग्लैंड को कम पैसे में बड़ी संख्या में अच्छे कुशल श्रमिक / कारीगर मिलेंगे। देश को पूर्वी यूरोपीय अकुशल भारतीयों की तुलना में थोड़ा अधिक महंगा लेकिन कुशल भारतीय मिलने लगेंगे जो वहां बहुत सस्ते में आना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, हमारे बौद्धिक नुकसान से ब्रिटेन को फायदा होगा। इस प्रकार, ऐसे समय में जब इस मुक्त व्यापार समझौते का जश्न मनाया जा रहा है और यह माना जाता है कि हमने विश्व नेता बनने की दिशा में एक कदम उठाया है, दो बिंदुओं पर ध्यान देना बुद्धिमानी है।

पहला बिंदु हमारे निर्यात कारक हैं। पारंपरिक आभूषण और कम कुशल सामग्री हमारी निर्यात सूची में मुख्य योगदानकर्ता हैं। उस समय, यूके आपको जो सामान निर्यात करता है, उनमें उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण, विमान, आदि पुर्जे/प्रौद्योगिकी और समृद्ध कारें शामिल हैं। उन सभी को उच्चतम स्तर की प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। उनकी लागत भी अधिक होती है। ताकि जो सामान हम उस देश में भेजने जा रहे हैं वह अपेक्षाकृत सस्ता हो और साथ ही उस देश से हमारे बाजार में आ सके। हालाँकि, सामग्री अधिक मूल्यवान होगी। इसका मतलब यह है कि इंग्लैंड आपको अधिक सामान बेचकर जितना मिलेगा उससे बहुत कम बेचकर उतना ही या उससे अधिक कमाएगा। अर्थ- हमें अधिक निर्यात योग्य कौशल-आधारित वस्तुओं के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। पापड़ - कुर्द/अचार/पापड़ हीन भावना के नहीं हैं। लेकिन आपको इसके साथ भव्य इंजीनियरिंग का सपना देखने की भी जरूरत है।

उदाहरण के तौर पर, यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1।73 बिलियन डॉलर (करीब 5।5त्न) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216 प्रतिशत तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0।5 बिलियन डॉलर था। अब हमारी कोल्हापुरी चप्पलें और जूते यूके बाज़ार में ज़्यादा प्रतिस्पर्धात्मक होंगे। जेम्स और जूलरी जैसे क्षेत्रों में भी जहां 4त्न ड्यूटी लगती थी, अब वह खत्म हो जाएगी।समुद्री उत्पाद, मैकेनिकल मशीनरी, प्लास्टिक, रबर, प्रोसेस्ड फूड्स, फर्नीचर, स्पोर्ट्स गुड्स, मीट, फल, सब्जियां, मसाले आदि सभी क्षेत्रों को शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे हमारे किसानों को भी लाभ होगा और निर्यात में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।

विदेशी चिकित्सा डिग्री : भारत का एनएमसी लगभग 9 लाख रुपये मान्यता शुल्क पेश करता है

विजय गर्ग

भारत के शीर्ष चिकित्सा शिक्षा नियामक नेशनल मेडिकल कमीशन विदेशी चिकित्सा योग्यता को पहचानने के लिए अपने नियमों में एक महत्वपूर्ण फेरबदल की घोषणा की है। एक प्रमुख प्रस्ताव विदेशी विश्वविद्यालयों या उनकी मान्यता एजेंसियों द्वारा भुगतान किए जाने वाले . 10,000 (लगभग 8.6 लाख रुपये) शुल्क की शुरूआत है, प्रत्येक आवेदन के लिए भारत के मेडिकल कोर्स की आधिकारिक मान्यता की मांग की जाती है। यह संशोधन औपचारिक रूप से 16 जुलाई, 2025 को एक मसौदा गजट अधिसूचना के रूप में प्रकाशित किया गया था। भारतीय उम्मीदवारों को सीधी राहत प्रदान करने वाले एक कदम में, एनएमसी ने एक साथ पहले से अनिवार्य 2.5 लाख रुपये आवेदन शुल्क को स्क्रैप करने का फैसला किया है जो व्यक्तिगत भारतीय डॉक्टरों को अपनी विदेशी चिकित्सा योग्यता की मान्यता के लिए भुगतान करना था। एनएमसी भारत में उच्च चिकित्सा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए ऐसा कर रहा है। शुल्क मान्यता प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने और सुव्यवस्थित करने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि केवल उच्च गुणवत्ता वाली विदेशी योग्यताओं को मान्यता दी जाए। यह दृष्टिकोण भारत को अंतरराष्ट्रीय वरीयता के साथ संरेखित करता है, जहां अमेरिका, कनाडा और यूके जैसे देशों में समान मान्यता शुल्क आम है।

यह नीति अनुमानित 20,000 से 25,000 भारतीय छात्रों को सीधे प्रभावित करती है जो सालाना विदेशों में चिकित्सा डिग्री हासिल करते हैं, अक्सर भारत में सीमित एमबीबीएस सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण रूस, चीन, जॉर्जिया और किर्गिस्तान जैसे गंतव्यों का चयन करते हैं। जबकि व्यक्तिगत शुल्क को हटाने से स्नातकों को लौटने के लिए एक वित्तीय बाधा कम हो जाती है, विदेशी संस्थानों पर . 10,000 शुल्क लगाने से संभावित रूप से ट्यूशन या प्रशासनिक शुल्क के माध्यम से छात्रों के लिए अप्रत्यक्ष लागत समायोजन हो सकता है।

यह संशोधन औपचारिक रूप से 16 जुलाई, 2025 को एक मसौदा गजट अधिसूचना के रूप में प्रकाशित किया गया था। भारतीय उम्मीदवारों को सीधी राहत प्रदान करने वाले एक कदम में, एनएमसी ने एक साथ पहले से अनिवार्य 2.5 लाख रुपये आवेदन शुल्क को स्क्रैप करने का फैसला किया है जो व्यक्तिगत भारतीय डॉक्टरों को अपनी विदेशी चिकित्सा योग्यता की मान्यता के लिए भुगतान करना था। एनएमसी भारत में उच्च चिकित्सा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए ऐसा कर रहा है।

एनएमसी की पहल विदेशी चिकित्सा शिक्षा पर गुणवत्ता नियंत्रण बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसमें कड़े विदेशी चिकित्सा स्नातक लाइसेंस विनियम और एफएमजीई (विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा) जैसी अनिवार्य स्क्रीनिंग परीक्षाएं शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही राष्ट्रीय निकास परीक्षा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। आयोग ने एक समर्पित ईमेल आईडी के माध्यम से आपत्तियों और सुझावों को आमंत्रित करते हुए 30-दिवसीय सार्वजनिक परामर्श अवधि खोली है, जो अंतिम नियामक ढांचे को आकार देने में हितधारक सगाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस मुखर रुख का उद्देश्य भारत की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए समान रूप से योग्य चिकित्सा कार्यबल सुनिश्चित करना है।

मदद देकर दुश्मन खड़ा करना कोई मोदी से सीखें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा से जुडी एक खबर बहुत ही लोमहर्षक है और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है, सांप को दूध पिलाने जैसी है, हिंसकों को संरक्षण और संवर्द्धन करने जैसी है, स्वयं के लिए भस्मासुर खड़े करने जैसी है और भारतीय हितों के खिलाफ है। हालांकि भारतीय मीडिया ने इस पर विचारण के लिए दूरदृष्टि नहीं अपनायी। अब यहां यह प्रश्न उठता है कि वह खबर क्या है? खबर यह है कि मालदीव को भारत पांच हजार करोड़ रूपये की सहायता देगा, जिसकी घोषणा नरेन्द्र मोदी ने अपनी मालदीव यात्रा के दौरान की है। पांच हजार करोड़ रूपये कोई छोटी रकम नहीं है, यह बहुत बड़ी रकम है। इतनी बडी रकम मालदीव पर खर्च करने की जरूरत ही क्या है? इस विषय को हम किस दृष्टिकोण से देखे?

आचार्य श्रीहरि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा से जुडी एक खबर बहुत ही लोमहर्षक है और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है, सांप को दूध पिलाने जैसी है, हिंसकों को संरक्षण और संवर्द्धन करने जैसी है, स्वयं के लिए भस्मासुर खड़े करने जैसी है और भारतीय हितों के खिलाफ है। हालांकि भारतीय मीडिया ने इस पर विचारण के लिए दूरदृष्टि नहीं अपनायी। अब यहां यह प्रश्न उठता है कि वह खबर क्या है? खबर यह है कि मालदीव को भारत पांच हजार करोड़ रूपये की सहायता देगा, जिसकी घोषणा नरेन्द्र मोदी ने अपनी मालदीव यात्रा के दौरान की है। पांच हजार करोड़ रूपये कोई छोटी रकम नहीं है, यह बहुत बड़ी रकम है। इतनी बडी रकम मालदीव पर खर्च करने की जरूरत ही क्या है? इस विषय को हम किस दृष्टिकोण से देखे?

मालदीव हमारा पडोसी देश है और पडोसी देश भी सुख और शांति से रहे, इसकी इच्छा तो रखनी चाहिए। पर प्रश्न यह उठता है कि जो देश हमारे लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो गया है, जिसके लिए धर्मनिरपेक्षता कोई अर्थ नहीं रह गयी है, जिसकी नीयत हिंसक हैं, आतंकी है और स्वयं को असफल देश के गर्त में ढकेलने में लगा रहता है उसके लिए इतनी बडी रकम खर्च करने का काम सिर्फ और सिर्फ भारत ही कर सकता है। दुनिया में सिर्फ भारत ही एक मात्र देश है जो अपने हिंसक और अलोकमांत्रिक पडोसी देशों को भी अरबों-खरबों रूपये देकर पालता है। जबकि चीन और अमेरिका जैसे देश कर्ज के मकडजाल में फंसा कर लूटते है और अपने हित सुरक्षित रखते हैं, विकसित करते हैं। चीन ने श्रीलंका को कर्ज देकर दिवालियां बना कर छोडा। चीन ने पाकिस्तान को भी कर्ज के दबाव में जकड चुका है। यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका ने खनिज संपदा समझौता किया है, जिसके तहत यूक्रेन के खनिज संपदाओं का दोहन अमेरिका करेगा। मालदीप तो एक विलुप्त होता देश है जो परजीवी है पर हिंसक और मजहबी मामलों में पाकिस्तान-सीरिया के रास्ते पर चल रहा है।

नरेन्द्र मोदी का ऐसा कदम सहानुभूति तो प्रकट कर सकता है, उन्हें लोग दयावन तो समझ सकते हैं, उन्हें पडोसियों को मिला कर, खुश रखकर चलने वाला शासक कह सकते हैं। लेकिन भारत की इस सहायता का सकरात्मक उपयोग होगा, जनपक्षीय उपयोग होगा, पारिस्थिति के संरक्षण में उपयोग होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। भारत के धन से मालदीव अपनी मजहबी मानसिकता का भी पोषण करेगा, आतंकियों का संरक्षण और उनका सवंर्द्धन भी कर सकता है? ऐसी समझ रखना कोइ गैर जरूरी बात नहीं हो सकती है। मालदीव को अब पर्यटन से होने वाली आय कम हो गयी है, इसलिए उसे मजहबी मानसिकता की तुष्टि के लिए और प्रचार-प्रसार के लिए अतिरिक्त धन की जरूरत है। इसीलिए मालदीव अपने आप को बदलने का नाटक कर रहा है और भारत के मित्र होने का दावा कर रहा है।

सच यह है कि मालदीव हमारा दोस्त भी नहीं है, मालदीव हमारे लिए अच्छा पडोसी भी नहीं है। मालदीव कोई आदर्श सूचक देश भी नहीं है। मालदीव में धर्मनिरपेक्षता भी नहीं है। पूरी आबादी मजहबी मानसिकता में विश्वास करती है। कुछ नाम मात्र के अन्य धर्म के लोग मालदीव में रहते हैं, उनका कोई मानवाधिकार का संरक्षण नहीं होता, उनकी धार्मिक मान्यताएं प्रतिबंधित हैं। इस्लाम की सहचर आबादी को छोड़ कर अन्य कोई आबादी अपनी धार्मिक मान्यताओं का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं कर सकता है। कहने का अर्थ यह है कि मालदीव पूरी तरह से इस्लामिक कट्टर मानसिकतों की हिंसक प्रवृति में कैद हो गया है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और लेबनान, सीरिया जैसी मजहबी मानसिकताएं अपना प्रदर्शन करती हैं। वैश्विक मीडिया में कई अन्य हिंसक तथ्य भी अस्तित्व मे हैं। खासकर अमेरिकी मीडिया का कहना है कि अलकायदा और तालिबान के कई खतरनाक और हिंसक आतंकी मालदीव में संरक्षण लिये थे। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार स्थापित हो गयी, इस कारण तालिबान के आतंकियों की अब मजबूरी समाप्त हो गयी, उनके मालदीव में रहने और सक्रिय होने की उम्मीद बहुत ही कम है। लेकिन पाकिस्तान को लेकर समस्याएं बहुत ही खतरनाक है और हिंसक है। पाकिस्तान की आईएसआई का मंकड जाल फैला हुआ है। आईएसआई के अधिकारी और जासूस मालदीव में बैठे हुए हैं और वे तय कर रहे हैं कि किसी भी स्थिति में मालदीव का इस्लामिक करण मजबूत रहे। आईएसआई का भारत के खिलाफ दृष्टिकोण और कारस्तानी भी जगजाहिर है। भारत के खिलाफ आईएसआई न केवल साजिशें रचती है बल्कि मालदीव की आबादी को भड़काती भी है। आईएसआई हमेशा भारतीय हितों को हिंसक ढंग से कुचलती है और कहती है कि भारत मालदीव का हिन्दूकरण करने जा रहा है और भारत मालदीव को अपना गुलाम बनाना चाहता है,इसलिए भारत का विरोध अनिवार्य है। मालदीव का सत्ता राजनीति आईएसआई का मोहरा है।

मालदीव ने भारत को कितने घाव दिये हैं, कितनी लातें मारी हैं, भारत के हितों को कितना कुचला है, भारत के सम्मान को कितना नुकसान पहुंचाया है? यह सब किसे नहीं मालूम है। मालदीव मे हमारा सैनिक अड्डा था। ऐसे मालदीव सैनिक अड्डे के लिए कोई खास महत्व नहीं रखता है। फिर भी हमारा सैनिक अड्डा था। हम उस सैनिक अड्डे का उपयोग अपने हितों की रक्षा करने के लिए कर रहे थे। खासकर चीन की सैनिक गतिविधियों और सक्रियता को लेकर हमारी चिंता रही है। चीन ने समुद्र में कई प्रकार की गतिविधियां, समस्याएं और अड़चने खडी की है। अपनी आधुनिक नौकाओं के माध्यम से चीन की नजर भारत की महत्वपूर्ण सैनिक अड्डो पर रही है।

चीन अपनी आधुनिक नौकाओं के माध्यम से हमारी जासूसी भी करता है। इसलिए मालदीव में मजबूत भारतीय सेना का ठिकाना अति महत्वपूर्ण था। सबसे बडी बात सैनिक अड्डे पर विराजमान भारतीय सैनिक मालदीव की एकता और अखंडता के लिए कोई चुनौती नहीं थे। फिर भी पाकिस्तान और चीन को वह हमारा सैनिक अड्डा खटकता था। चीन और पाकिस्तान की के कहने पर मालदीव ने भारतीय सैनिक अड्डे को समाप्त करने के लिए भारत को बाध्य किया। भारत के खिलाफ हिंसक और तथ्यहीन बयानबाजी की गयी। कोई विकल्प न देखते हुए भारत की मोदी सरकार ने ही सैनिक अड्डे से अपने सैनिक हटाने का काम किया था। सबसे बडी बात मोदी की छवि और सम्मान पर कीचड उछालना और कूटनीतिक सम्मान को भूल जाना। नरेन्द्र मोदी कभी भी मालदीव के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला था। सिर्फ उसने अपने देश के पर्यटक स्थालों का प्रमोशन किया था। नरेन्द्र मोदी ने लक्ष्यद्वीप की यात्रा की थी। लक्ष्यद्वीप एक खूबखूरत पर्यटक स्थल है, उसकी खूबसूरती मालदीव के पर्यटक स्थलों से कम नहीं है। नरेन्द्र मोदी लक्ष्यद्वीप जाकर पर्यटक स्थलों का दर्शन कराया था। इस पर मालदीव की पूरी सरकार ही पागल हो गयी, हिंसक हो गयी, मालदीव सरकार में शामिल मंत्रियों ने नरेन्द्र मोदी को गालियां दी थी, नरेन्द्र मोदी को नीच कहा था और भारत को बर्बाद करने की धमकी पिलायी थी।

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महतारी सदन एक मजबूत कदम - विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु ग्राम पंचायतों में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जेवरी में 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से बनने वाले सर्वसुविधायुक्त महतारी सदन का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक साहू ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा महतारी सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि यह महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी का प्रतीक है। ग्राम जेवरी सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं को अब अपने सामूहिक कार्यों, बैठकों और आर्थिक गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित व सुविधाजनक स्थान मिलेगा। यह केंद्र महिलाओं की उन्नति की आधारशिला बनेगा।÷ उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और किसान के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना जैसे नवाचारों से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और महतारी सदन जैसे ढांचागत विकास कार्यों से अब उन्हें सामाजिक मंच भी उपलब्ध हो रहा है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष हेमा जय दिवाकर, गजानन साहू (ग्रामीण मंडल अध्यक्ष), कांति प्रकाश साहू (सरपंच), छोटूराम साहू, युगल देवांगन, डेरहा देवांगन, महामंत्री भागीराम साहू, कुबेर साहू, शत्रुघ्न साहू, लक्ष्मी साहू, टोप सिंह टंडन, छत्र कुमार देवांगन, रोहित साहू, बल्लू शुक्ला, रेवाराम निषाद, प्रकाश साहू , प्रताप सिंह साहू, बसंत साहू, पवन साहू, मेहतरू डंडे , डोमन साहू, छन्नू साहू, नीलू सिंह, उत्तम साहू, रवेंद्र साहू, महेंद्र साहू, बावा पाटिल, बहादुर साहू एसडीओ मैडम, विभागीय इंजीनियर, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। यह महतारी सदन आने वाले समय में महिलाओं के लिए नव निर्माण, नव सोच और नव सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा।

जिले में बिना लाइसेंस दवा रखने पर छापा, औषधियां जब्त, औषधि अनुज्ञप्ति के बिना दवा भंडारण - बेमेतरा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में अवैध औषधि कारोबार पर नियंत्रण एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन, बेमेतरा द्वारा सतत निरीक्षण एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 31 जुलाई 2025 को जिले के नवागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम एरमशाही, पोस्ट घुरसेना, तहसील नांदघाट में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। प्रशासन को प्राप्त एक गोपनीय शिकायत के आधार पर संबंधित स्थान पर जब जांच की गई तो वहां देवेन्द्र पिता गजाधर साहू द्वारा बिना किसी वैध औषधि अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के विभिन्न प्रकार की दवाइयों का भंडारण किया जा रहा था। यह संधारण औषधि अधिनियम 1940 का स्पष्ट उल्लंघन था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुँचकर विधिवत जांच की तथा बिना लाइसेंस के रखी गई समस्त औषधियों को जब्त किया। साथ ही निर्धारित प्रक्रिया अनुसार औषधियों के नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त की गई दवाइयों की बाजार कीमत लगभग ?16,887/- आंकी गई है। यह कार्रवाई औषधि निरीक्षक श्रीमती श्रुति लकड़ा एवं धनीराम पटेल के नेतृत्व में विभागीय टीम द्वारा की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुज्ञप्ति के औषधियों का क्रय-विक्रय एवं भंडारण न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले के समस्त औषधि व्यवसायियों एवं आम जनता से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही औषधियों की खरीद करें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि आगे भी औषधि एवं खाद्य प्रतिष्ठानों पर इसी प्रकार निरीक्षण जारी रहेंगे और उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. रूपेन्द्र कवि हुये छग राजभवन में डिप्टी सेक्रेटरी पद पर प्रतिनियुक्त

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के प्रख्यात मानव विज्ञानी , साहित्यकार एवं जनजातीय शोधकर्ता डॉ. रूपेन्द्र कवि को छत्तीसगढ़ राज्यपाल सचिवालय में डिप्टी सेक्रेटरी (उप सचिव) पद पर प्रतिनियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (क्षेत्रीय इकाई) , बिलासपुर में उपसंचालक पद पर कार्यरत थे। डॉ. कवि को यह दायित्व उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव , अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा आदिवासी समाज के लिये सतत कार्य के आधार पर प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि डॉ. रूपेन्द्र कवि मूलतः बस्तर संभाग के जगदलपुर से हैं और वे जनजातीय समाज के सांस्कृतिक , सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर गहन कार्य कर चुके हैं। एक मानव वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वे एक सजग साहित्यकार भी हैं , जिन्होंने कविता , निबंध और सामाजिक विश्लेषण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे प्रदेश की कई शोध परियोजनाओं का नेतृत्व कर चुके हैं और विभिन्न राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय संगोष्ठियों में बस्तर और छत्तीसगढ़ के आदिवासी जीवन पर आधारित व्याख्यान दे चुके हैं। उनका लेखन समाज के वंचित वर्गों की आवाज को स्वर देने वाला रहा है। उनकी इस नियुक्ति पर शोध संस्थान के अधिकारियों , कर्मियों , साहित्यिक और शैक्षणिक जगत से जुड़े व्यक्तियों सहित उनके मित्रों व परिजनों ने हार्दिक शुभकामनायें दी हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल से की मुलाकात, बोधघाट परियोजना पर हुई चर्चा

नई दिल्ली /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीते शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान राज्य की महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं, विशेषकर बस्तर क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित बोधघाट बहुद्देशीय परियोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल को अवगत कराया कि बोधघाट परियोजना बस्तर की सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और ऊर्जा उत्पादन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र दशकों से विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा है। वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि इस क्षेत्र को नक्सल हिंसा से मुक्त कर आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने बताया कि बस्तर के लिए प्रस्तावित बोधघाट बहुद्देशीय परियोजना से लगभग 8 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई और 125 मेगावाट विद्युत उत्पादन सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री साय ने यह भी बताया कि बस्तर क्षेत्र में अब नक्सल प्रभाव में उल्लेखनीय कमी आई है और विकास कार्यों के लिए अनुकूल वातावरण बन रहा है। ऐसे में बोधघाट जैसी परियोजनाएं इस क्षेत्र को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्माण संबंधी आवश्यक पहल करने के विषय में विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए परियोजना से संबंधित प्रस्तावों का शीघ्र तकनीकी परीक्षण कराने का आश्वासन दिया।

जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत शासी परिषद की बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में जिला खनिज न्यास संस्थान के अंतर्गत शासी परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती सत्यलता आनंद मिरि, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित शासी परिषद के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कुकुरदी में स्तनपान सप्ताह का आयोजन, बताया गया स्तनपान का महत्व

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

शासन के निर्देश पर कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत ग्राम कुकुरदी में स्तनपान सप्ताह प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि स्तनपान का महत्व बच्चे और मां दोनो के लिए अद्वितीय है। शिशु के लिए,मां का दूध एक संपूर्ण आहार होता है। इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और मिनरल सही मात्रा में मौजूद होते है। यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे वह संक्रमण, एलर्जी और अन्य बीमारियों से सुरक्षित रहता है। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम, एक पेड़ बेटी के नाम पर वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी सरस्वती चंद्रवंशी, जिला मिशन समन्वयक प्रीति नवरत्न, जिला पोषण समन्वयक देवेन्द्र कुमार, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित हितग्राही एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजपा की कथनी और करनी में दोहरापन - भूपेश बघेल

रायपुर/मूक पत्रिका

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि मोदी भाजपा को सिर्फ भारत के अल्पसंख्यकों से दिक्कत है, जहां फायदा होता है वहां ये गले लगाने लगते हैं। भारत में अल्पसंख्यकों से दूर भागते हैं लेकिन भारत के बाहर जाते हैं तो शेखों के साथ बैठकर मैच देखते हैं। केरल और छत्तीसगढ़ में भाजपा का दोगलापन दिख रहा है। मिशनरियों का वोट पाने के लिए केरल भाजपा छत्तीसगढ़ में हुई कार्यवाही का विरोध करते है। कहते है कि जिन ननो को गिरफ्तार किया गया है उनका धर्मांतरण और मानव तस्करी से कोई लेना देना नहीं है, दुर्भावनापूर्वक कार्यवाही करते है। यही भाजपा का दोगलापन है। छत्तीसगढ़ में भाजपा क्रिश्चियनों पर विरोध करती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय यहां और दुर्ग सांसद विजय बघेल संसद में मानव तस्करी और धर्मांतरण की बात करते है और केरल भाजपा आरोपों को खारिज करती है यही भाजपा का दोगलापन है। वोट चाहिए तो गाय 'माता' है लेकिन पूर्वोत्तर और गोवा जाकर गौ माता के बारे में बात नहीं करते, अरुणाचल से आने वाले इनके केंद्रीय मंत्री किरण रिज़िजू कहते हैं कि मैं बीफ़ खाता हूँ। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि एक तरफ़ प्रधानमंत्री कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर चालू है, अगर ऑपरेशन सिंदूर चालू है तो फ़िर 14 सितम्बर को भारत और पाकिस्तान का मैच क्यों हो रहा है? पाकिस्तान का जो पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफ़्रीदी कश्मीर के अलगावादी नेताओं का समर्थन करता है, जो शाहिद अफ़्रीदी पहलगाम हमले के बाद कहता है कि भारत अपने लोगों को खुद मरवाता है, ऐसे ज़हरीले पाकिस्तानियों के साथ बैठकर मोदी सरकार के मंत्री अनुराग ठाकुर मैच देखते हैं। बेहद अनुराग है दोनों के बीच। आईसीसी का चेयरमैन तो अमित शाह का बेटा जय शाह है? फ़िर ये मैच रद्द क्यों नहीं हो रहा? पहलगाम के शहीदों के परिवारों को आप इस मैच पर क्या जवाब देंगे? पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि मोदी सरकार ने भारत को गहरा संकट में डाला है मोदी के मित्र डोनाल्ड ट्रम्प ने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टेरिफ और पेनाल्टी लगा दिया है। इससे भारत में संकट उत्पन्न होगा, मोदी जी मौन क्यों है? ट्रम्प की जीत के लिए हवन, पूजा करने वाले भाजपाई बताये कि अब वे क्या कहेंगे? पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में अल्पसंख्यकों पर सरकार आक्रमण करवा रही है। धमतरी में 100 साल से अधिक समय से संचालित क्रिश्चियन हॉस्पिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम लोगों की सेवा कर रहा है। अब भाजपा और उनके गुर्गे एक तरफ़ प्रसिद्ध और एक सदी से अधिक से सेवारत धमतरी क्रिश्चियन अस्पताल को टार्गेट करते हैं। विहिप के लोग तोड़-फोड़ करते है, रायपुर में घर में मीटिंग कर रहे लोगों पर बजरंग दल के लोगों ने हमला किया। गृहमंत्री कार्यवाही करने के बजाय संयम रखने की अपील करते है।

जिले में 'बने खाबों बने रहिबों' अभियान शुरू ,सुरक्षित व स्वच्छ खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने जिला प्रशासन की सख्ती

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारियों के पर्यवेक्षण में बेमेतरा जिले में वर्षा ऋतु के दौरान खाद्य जनित बीमारियों एवं संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आम जनता को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। ÷बने खाबों बने रहिबों÷ नामक यह राज्य स्तरीय विशेष जांच एवं जन-जागरूकता अभियान छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में 04 अगस्त से 06 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। बेमेतरा जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा इस अभियान के अंतर्गत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (मोबाइल फूड टेस्टिंग लेब) के माध्यम से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। विभाग की ओर से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी खाद्य प्रतिष्ठान अखबारी कागज का उपयोग खाद्य परोसने या रखने में न किया जाए। बासी या सड़ी-गली खाद्य सामग्री को न परोसा जाए। शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग स्वच्छ कंटेनरों में सुरक्षित रखा जाए। खाद्य हैण्डलिंग के समय व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे साफ कपड़े, ढका सिर, कटे नाखून आदि का पालन किया जाए। स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को ताजा एवं स्वच्छ भोजन ही परोसने के निर्देश दिए जाएंगे जैसे मानकों का पालन करने निर्देशित किये हैं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत इन सभी बातों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाएगा। उल्लंघन की स्थिति में संबंधित खाद्य कारोबारी को पहले जागरूक किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी। जिला प्रशासन का यह अभियान न केवल खाद्य कारोबारियों में सजगता लाने का प्रयास है, बल्कि आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक ठोस कदम भी है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, बेमेतरा ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे भी स्वच्छता के प्रति सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर विभाग को सूचित करें।

प्राचार्य लक्ष्मी नारायण गायकवाड, प्रधान पाठक रामकुमार डड़सेना एवं इको क्लब प्रभारी जेपी यादव

तुलसीदास की वाणी हमें आत्मचिंतन, आदर्श जीवन और लोककल्याण की प्रेरणा देती है : दीपेश साहू विधायक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरदा में बीते शुक्रवार को महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जयंती, प्रसिद्ध कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती, तथा विद्यालय के नवीन छात्रसंघ का शपथग्रहण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती, तुलसीदास जी एवं मुंशी प्रेमचंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर की गई। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों से संबंधित कुछ प्रमुख मांगें रखी गई। तत्पश्चात कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करते हुए छात्र-छात्राओं ने बस्तरिया गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी, जिसे देखकर विधायक साहू ने बच्चों की उत्साहवर्धन हेतु सम्मान राशि प्रदान की। तत्पश्चात विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया और कहा की तुलसीदास जी हिंदी साहित्य के महान संत, भक्त कवि और रामचरितमानस के रचयिता थे। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन को लोकभाषा में प्रस्तुत कर जन-जन के हृदय तक पहुँचाया। उनका जीवन भक्ति, मर्यादा और सेवा का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज को सच्चाई, विनम्रता और धर्मपरायणता का मार्ग दिखाते हैं। विधायक दीपेश साहू ने कहा तुलसीदास जी की वाणी हमें आत्मचिंतन, आदर्श जीवन और लोककल्याण की प्रेरणा देती है।÷ उन्होंने कहा मुंशी प्रेमचंद हिंदी और उर्दू साहित्य के युगप्रवर्तक लेखक थे। उन्होंने सामाजिक यथार्थ, गरीबी, शोषण, नैतिक मूल्यों और ग्रामीण जीवन की समस्याओं को अपनी कहानियों और उपन्यासों में जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। गोदान, निर्मला, कफ़न जैसी रचनाएं आज भी समाज का दर्पण हैं। विधायक म दीपेश साहू ने कहा प्रेमचंद जी की लेखनी हमें सिखाती है कि साहित्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज सुधार और जन-जागरूकता का सशक्त माध्यम है।÷ विधायक दीपेश साहू ने बच्चों से संवाद करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर बच्चों ने आत्मविश्वास से देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस अभियान की शुरुआत की जानकारी दी। बच्चों के इस ज्ञान और जागरूकता की सराहना करते हुए विधायक जी ने कहाःहम जनप्रतिनिधि इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन जब हमारे विद्यालयों के बच्चे भी इस पहल में भागीदार बनते हैं, तो यह निस्संदेह एक बड़ी और सराहनीय बात होती है। वृक्षारोपण केवल पर्यावरण का संरक्षण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के लिए हरित भविष्य की नींव है।÷उन्होंने छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, पेंटिंग, डांसिंग जैसे अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहाः आज शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह जीवन जीने की कला, रोजगार की दिशा और समाज में सकारात्मक योगदान का मार्ग भी प्रदान करती है।÷ विद्यालय में साल नायक एवं नायिका का चयन कर उन्हें शुभकामनाएं भी दी गई। साथ ही, छात्रों एवं पालक प्रतिनिधियों द्वारा शिक्षण सामग्री और विकास कार्यों की जो मांगें रखी गई, उनके प्रति विधायक जी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा शिक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या या ज़रूरत के समाधान हेतु मैं सदैव तत्पर हूं। शाला परिवार की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।÷कार्यक्रम मे सूर्यकांत साहू , रेखा राम साहू, उप सरपंच ग्राम पंचायत सरदा ,सुरीत राम साहू , अरुण साहू, ,संदीप साहू, दीनानाथ साहू श,रोहित साहू जी पूर्व शिक्षक ,ओंकार साहू एवं समस्त स्टाफ के सदस्य रमाशंकर बंछोर, शमहेंद्र कुमार गौतम, हितेंद्र कुमार पाटिल, अरुण वर्मा, अजीत कुमार वर्मा, एमेन कुमार सोनवानी, दीपक साहू, रविंद्र कुमार महानंदे, सोमप्रभ श्रीवास, खेमेन्द्र कुमार चंद्राकर,अखिलेश परगनिहा, भक्तराम साहू, कविता देवांगन, योगिता देवांगन, सावित्री सियारे, श्वेता साहू, स्मिता सोनवानी, कुमारी डोनी साहू, कुमारी प्रियंका साहू, कमलेश्वर साहू, रोमन लाल साहू, अमित कुमार साहू, देहुती रानी वर्मा, चंद्रप्रभा पाटिल प्राचार्य लक्ष्मी नारायण गायकवाड, प्रधान पाठक रामकुमार डड़सेना एवं इको क्लब प्रभारी जेपी यादव सरपंच ग्राम पंचायत सरदा श्रीमती गौरी बाई नेताम जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लालू साहू शाला विकास समिति के अध्यक्ष भारत कौशले, मनीराम साहू एवं विनोद कुमार नेताम कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पालकगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री जेपी यादव ने किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आकांक्षा हाट का किया उद्घाटन

- सम्पूर्णता अभियान से जुड़े लोगों का किया सम्मान

सुरजपुर /मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अध्यक्षता में शबरी ऑडिटोरियम, सुकमा में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह और आकांक्षा हाट का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने जिले की विकास यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि ,सुकमा अब विकास के पथ पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है, और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सलमुक्त बस्तर का सपना जल्द साकार होगा। उन्होंने इस प्रगतिशील पहल के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी जताया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की आकांक्षी जिला योजना का उद्देश्य है कि अंतिम पंक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचे और जनता को उनका पूरा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि सुकमा जैसे पिछड़े जिलों में योजनाओं का सफल क्रियान्वयन यह साबित करता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक समर्पण से कोई भी क्षेत्र पीछे नहीं रह सकता। आज सुकमा भयमुक्त वातावरण में विकास के नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

संपूर्णता अभियान: जमीनी कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान- संपूर्णता अभियान के अंतर्गत प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जिले को राज्यस्तर पर सराहना मिली है। इस उपलब्धि में एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, कृषि सहायकों और अन्य जमीनी स्तर के कर्मियों की अहम भूमिका रही, जिन्हें इस अवसर पर सम्मानित किया गया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इन सभी को बधाई देते हुए कहा कि इनके प्रयासों के बिना सुकमा की यह उपलब्धि संभव नहीं होती।

आकांक्षा हाट से उभरेगा स्थानीय हुनर और संस्कृति- संपूर्णता अभियान के साथ ही वोकल फॉर लोकल की भावना को साकार करता ÷आकांक्षा हाट÷ कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। यह दो दिवसीय आयोजन स्थानीय कारीगरों, किसानों, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का मंच है। पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, जैविक कृषि उत्पाद और स्थानीय कलाकृतियों की प्रदर्शनी इस हाट का प्रमुख आकर्षण हैं।

कार्यक्रम में पारंपरिक कला-शिल्प के जीवंत प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जो स्थानीय उद्यमिता को मजबूती देने के साथ-साथ सांस्कृतिक अस्मिता को भी सहेजने का कार्य करेंगी। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रावासी बच्चों का समग्र विकास अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी

उनसे संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करे-आदिम जाति कल्याण मंत्री नेताम

आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने तीन जिलों के अधिकारियों की ली बैठक

विभागीय कार्यो की हुई समीक्षा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने आज दंतेवाड़ा जिला कार्यालय के सभागार में दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के आदिवासी विकास विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन शत-प्रतिशत और पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री नेताम ने छात्रावासों में रह रहे बच्चों के समग्र विकास को अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने सभी सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया कि वे आश्रम-छात्रावासों का नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण करें और रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपें। मंत्री ने कहा कि जिन अधीक्षकों द्वारा आश्रमों का संचालन ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है, उन्हें तत्काल हटाया जाए। साथ ही सभी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए और सामग्री की खरीदी केवल जेम पोर्टल के माध्यम से की जाए, खुले बाजार से कोई भी खरीदी न की जाए। वर्तमान में बरसात का मौसम होने के कारण मंत्री नेताम ने आश्रमों में नियमित सफाई, जीव-जन्तुओं से सुरक्षा और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावासों में बिजली, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने छात्रावास परिसरों में पौधरोपण कराए जाने के भी निर्देश दिए। मंत्री नेताम ने निर्माण कार्यों की शीघ्र पूर्णता और शासन की राशि के समुचित उपयोग पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आश्रमों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अधिकारियों को निरंतर निगरानी रखनी होगी।

बैठक में तीनों जिलों के सहायक आयुक्तों ने अपने-अपने जिलों में संचालित छात्रावासों की जानकारी मंत्री को दी। दंतेवाड़ा जिले में 70 आश्रमों में 6340 स्वीकृत सीटों के विरुद्ध 5950 बच्चे प्रवेशित हैं। वहीं, प्री मैट्रिक छात्रावासों की संख्या 38 है जिनमें 4185 सीटों के विरुद्ध 3331 छात्र हैं। पोस्टमैट्रिक छात्रावासों की संख्या 20 है, जिनमें 2200 स्वीकृत सीटों के मुकाबले 2615 छात्र निवासरत हैं।

सुकमा जिले में 95 आश्रमों में 8355 सीटें स्वीकृत हैं जिनमें 8108 छात्र प्रवेशित हैं। 33 प्री मैट्रिक छात्रावासों में 2295 सीटों के मुकाबले 2720 बच्चे और 13 पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में 650 सीटों की तुलना में 1200 बच्चे निवासरत हैं। इसी प्रकार बीजापुर जिले में 137 आश्रम संचालित हैं जिनमें 11600 सीटों के विरुद्ध 10289 बच्चे प्रवेशित हैं। 42 प्री मैट्रिक छात्रावासों में 3335 सीटों पर 2936 बच्चे और 10 पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में 500 सीटों पर 513 छात्र निवासरत हैं। बैठक मे ही मंत्री ने स्पष्ट कहा कि है कि अब आश्रम-छात्रावासों की निगरानी और संचालन और अधिक सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनाया जाएगा ताकि इन संस्थानों में रह रहे बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण वातावरण मिल सके।

मिलेट फसलों को बढ़ावा देने हेतु कृषि मंत्री ने दिए निर्देश- कृषि विभाग की बैठक में कृषि मंत्री नेताम ने खरीफ सीजन 2025 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को जैविक खेती, कोदो-कुटकी जैसी पारंपरिक एवं लाभकारी फसलों के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि खाद एवं बीज का समय पर और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक के किसानों को मिले। बैठक के दौरान उन्होंने तीनों जिलों दंतेवाड़ा,सुकमा और बीजापुर के उप संचालक कृषि से खरीफ 2025 के क्षेत्राच्छादन, मक्का व मिलेट्स के बीज भंडारण, उर्वरक भंडारण और वितरण की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की भी समीक्षा की और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता तथा गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, मृदा की सेहत को संरक्षित रखने के उद्देश्य से रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग और जैविक खादों को बढ़ावा देने पर बल दिया। बैठक में मंत्री ने उद्यानिकी क्षेत्र में रोजगार सृजन की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने मुनगा, ऑयल पाम, मसाला फसलें एवं कोदो-कुटकी जैसे उत्पादों के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने और उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, खरीफ 2025 के लिए बीज भंडारण एवं वितरण की स्थिति निम्नानुसार है। दंतेवाड़ा जिले में अनाज के लिए 3480 क्विंटल का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से 2816 क्विंटल का भंडारण और वितरण किया गया। दलहन के लिए 39 क्विंटल का लक्ष्य था, जबकि 99 क्विंटल का भंडारण और वितरण किया गया। सुकमा जिले में अनाज के लिए लक्ष्य 4680 क्विंटल रहा, जिसमें 3545 क्विंटल का भंडारण और 3162 क्विंटल का वितरण हुआ।

आंगनबाड़ी पुनर्वास केंद्र के बच्चों और महिलाओं के हित में दिए अहम निर्देशः श्रीमती राजवाड़े

सुरजपुर /मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बीते शुक्रवार को अपने एकदिवसीय सुकमा प्रवास के दौरान जिले में संचालित कई महत्त्वपूर्ण संस्थाओं का दौरा कर विभागीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों, दिव्यांगजनों के लिए संचालित आकार संस्था, सखी वन स्टॉप सेंटर और नक्सल पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बच्चों के साथ फर्श पर बैठीं मंत्री, ली शिक्षा और पोषण की जानकारी- मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्र गोलागुड़ा और बाजारपारा पहुंचकर बच्चों से संवाद की। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेते हुए शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बच्चों ने उन्हें कविता, एबीसीडी और पहाड़ा सुनाकर स्वागत किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े बच्चों के बीच फर्श पर बैठीं और आत्मीयता के साथ बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें फल व चॉकलेट वितरित किए।

आकार संस्था में दिव्यांग बच्चों से आत्मीय मुलाकात, संसाधनों की सराहना- कुम्हाररास स्थित आकार संस्था के भ्रमण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने संवेदी कक्ष सहित सभी शिक्षण गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बच्चों से मिलकर उनकी ज़रूरतें समझीं और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन बच्चों को कृत्रिम अंग की आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराएं।

नक्सल पुनर्वास केंद्र में पूर्व माओवादियों से संवाद, प्रमाण पत्र वितरित- प्रवास के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े नक्सल पुनर्वास केंद्र पहुंचीं, जहां उन्होंने आत्मसमर्पित माओवादियों से संवाद कर पुनर्वास व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में दी जा रही प्रशिक्षण गतिविधियों की सराहना करते हुए मेशन ट्रेड में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके 25 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने ने पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जीने की प्रेरणा दी।

सखी सेंटर में महिला सुरक्षा सेवाओं की समीक्षा- मंत्री राजवाड़े ने सखी वन स्टॉप सेंटर का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कानूनी, चिकित्सकीय और परामर्श सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े प्रकरण अत्यंत संवेदनशील होते हैं, इसलिए उनकी काउंसलिंग पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता से की जाए। आपसी समझ से मामलों को सुलझाने की दिशा में कार्य करने की सलाह दी।

कुपोषण के विरुद्ध सख्त रुख, योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर- मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभागीय समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया कि महिला और बाल विकास विभाग की सभी योजनाएं ज़मीनी स्तर तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। पर्यवेक्षकों को फील्ड में सक्रिय रहते हुए कुपोषण को नियंत्रित करने और जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा और पोषण से वंचित न रहें।

इस अवसर पर कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने जिले में संचालित योजनाओं और संस्थाओं के समन्वित संचालन की जानकारी दी। राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका शोरी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, विभागीय संचालक पी.एल. एल्मा, अपर कलेक्टर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सावन महोत्सव पर मां सतलोकी देवी मंदिर परिसर में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं दवा वितरण
- ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों लोगों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

सूरजपुर/भटगांव-सारासोर/ मूक पत्रिका

श्रावण मास के पावन अवसर पर जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु मां सतलोकी देवी ट्रस्ट सारासोर के तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी 4 अगस्त 2025, दिन सोमवार को मां सतलोकी देवी मंदिर परिसर, सारासोर, तहसील भटगांव, जिला सूरजपुर (छ.ग.) में आयोजित किया जाएगा। शिविर का संचालन प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक किया जाएगा।

इस आयोजन में सक्षम, आरोग्य भारती और सेवा भारती जैसी प्रमुख सामाजिक संस्थाएं सक्रिय सहयोगी होंगी। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना एवं लोगों को रोगों के प्रति जागरूक करना है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रहेगी मौजूद- इस स्वास्थ्य शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ के साथ-साथ नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, अस्थि रोग विशेषज्ञ, कान-नाक-गला रोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ, मधुमेह रोग विशेषज्ञ, होम्योपैथिक चिकित्सक एवं आयुर्वेदाचार्य अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में परामर्श के दौरान रोग से संबंधित पुरानी जांच रिपोर्ट या पर्ची लाने की सलाह दी गई है, जिससे डॉक्टर को उपचार में बेहतर सहायता मिल सके।

स्वास्थ्य शिविर में उपलब्ध निःशुल्क सेवाएं- सभी आयु वर्ग के लिए रोग परीक्षण एवं परामर्श, आवश्यक आयुष व एलोपैथिक दवाओं का वितरण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं जीवनशैली पर मार्गदर्शन।

धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन भी रहेंगे आकर्षण का केंद्र- शिविर के साथ-साथ शिव अभिषेक, सामूहिक हवन, वेद मंत्रोच्चारण, रक्षासूत्र बंधन जैसे धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों ने बताया कि यह शिविर केवल उपचार का ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी सशक्त करने का माध्यम बनेगा।

संपर्क एवं अग्रिम पंजीयन के लिए- 96910 96559, 91310 35546, 62640 49147, 93998 58522

ग्रामवासियों से अपील- मां सतलोकी देवी ट्रस्ट एवं सहयोगी संस्थाओं ने सभी श्रद्धालुजनों और ग्रामीणों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस निःशुल्क शिविर में शामिल होकर इसका लाभ लें और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें।

लूट की वारदातः करनौद से चांपा जा रहे युवक से 11 लाख 80 हजार की लूट, 3 लुटेरे फरार

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

लूट की एक सनसनीखेज घटना सामने आई जब करनौद से पैसे लेकर यूनियन बैंक चांपा जा रहे एक युवक के साथ दिनदहाड़े लूट की वारदात हो गई। प्रार्थी दिपेश देवांगन, निवासी चोरिया (थाना सारागांव), ने बम्हनीडीह थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि करीब 11 लाख 80 हजार रुपये के साथ एक लैपटॉप की लूट की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिपेश देवांगन करनौद के किरीत डड़सेना के घर से नगद पैसा लेकर यूनियन बैंक, चांपा की ओर जा रहा था। दोपहर लगभग 1 बजे के करीब जब वह पुछेली गांव के पास पहुंचा, तभी एक मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक पहुंचे और लिफ्ट मांगने का बहाना कर उसे रोकने की कोशिश की। जब दिपेश ने नहीं रोका, तो उन्होंने पीछा करना शुरु किया और चारपारा से उसका पीछा करते हुए पुछेली के समीप उसकी बाइक के सामने अपनी बाइक अड़ा दी, जिससे दिपेश को रुकना पड़ा। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसके पास रखे 11.80 लाख रुपये लूट कर बम्हनीडीह की दिशा में फरार हो गए। इस पूरी वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। बम्हनीडीह थाना पुलिस को जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रार्थी की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है और आरोपियों की तलाश शुरु कर दी गई है। थाना प्रभारी द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और चौराहों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर तब जब इतनी बड़ी रकम को बिना किसी सुरक्षा के एक व्यक्ति द्वारा ले जाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा कर रही है।

सायबर सेल एवं चौकी खण्डसरा पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

चौकी खण्डसरा क्षेत्र में हुए शिक्षक हत्या मामले में 24 घंटे के भीतर दो आरोपी गिरफ्तार

पैतृक जमीन विवाद बना हत्या की वजह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को एक शिक्षक की हत्या के मामले में बेमेतरा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 24 घंटे में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रार्थिया श्रीमती सुषमा राय उम्र 51 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 10 कोबिया, बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पति सतीश राय, जो शासकीय हाई स्कूल हेमाबंद में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे, प्रतिदिन की भांति 31 जुलाई को सुबह 9:30 बजे स्कूटी क्रमांक छ्त्त 25 ॥ 3870 से स्कूल गए थे। छुट्टी के बाद लौटते समय ग्राम करचुवा और गर्रा के बीच सड़क किनारे उनका शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। मौके पर उनका हेलमेट, चश्मा और वाहन भी पड़ा था। जबड़े, सीने और भुजा पर धारदार हथियार से गंभीर चोट के निशान थे। श्रीमती राय ने पूर्व में जमीन विवाद को लेकर ग्राम सेंदरी के जीवनलाल राय, डिकेश्वर राय एवं अन्य के विरुद्ध शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन्होंने आशंका जताई कि इन्हीं के द्वारा साजिशन हत्या कराई गई है। पुलिस ने मर्ग सदर धारा 194 बीएनएसएस पंजीबद्ध कर शव का पंचनामा कर पीएम उपरांत जांच प्रारंभ की।जांच के दौरान एफएसएल रिपोर्ट, गवाहों के कथन, और साक्ष्यों के आधार पर धारदार हथियार से वार करके हत्या किया जाना प्रथम दृष्ट्या पाये जाने से धारा 103(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही, मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह एवं एसडीओपी मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली उपनिरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी खण्डसरा उपनिरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, साइबर सेल व अन्य पुलिस स्टाफ की संयुक्त टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण में विवेचना के दौरान संदेही आरोपी डिकेश्वर कुमार राय उर्फ डब्बू उम्र 21 वर्ष, एवं जीवनलाल राय उम्र 80 वर्ष, दोनो निवासी सेंदरी, थाना दाढ़ी जिला बेमेतरा को हिरासत में लेकर पुछताछ की गई। पुछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पैतृक जमीन के विवाद को लेकर सतीश राय से रंजिश रखते थे। दोनों ने योजना बनाकर घटना वाले दिन करीबन 03 बजे सेंदरी से मोटरसाइकिल क्रमांक. सीजी 25 एल 2671 में सवार होकर फरसा लेकर निकलकर रास्ते में घात लगाकर बैठे। जैसे ही करीबन 04.20 बजे सतीश राय अपने स्कुटी से पहुंचे, डिकेश्वर ने उन्हें रोका और फरसे से उनके सिर पर तीन बार हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद अपने साथी जीवनलाल को मोटरसाइकिल में बैठाकर गर्रा की ओर भागते समय रोड किनारे झाडी में फरसा को फेंक कर दाढ़ी सेमरिया होते दोनों अपने घर लौट गए। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल, सीजी 25 एल 2671 व फरसा एवं अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

आरोपी - 1. डिकेश्वर कुमार ऊर्फ डब्बू राय पिता चंद्रशेखर राय उम्र 21 वर्ष, 2. जीवनलाल राय पिता स्व.लक्ष्मी चरण राय उम्र 80 वर्ष, दोनो निवासी सेंदरी, थाना दाढ़ी, जिला बेमेतरा को आज दिनांक 01.08.2025 को विधिवत गिरफ्तार किया गया है दिनांक 02.08.2025 को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

बेमेतरा पुलिस की तत्परता और सजगता से यह मामला शीघ्र सुलझाया गया, जो अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही का स्पष्ट संदेश है इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दाढी निरीक्षक रोशन लाल टोंड्रे, निरीक्षक चंद्र देव वर्मा, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी खण्डसरा उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र मनहरे, शिव कुमार बंजारे, आरक्षक संजय पाटिल, रेखन साहू, संतोष धीवर, असलम खान, एश्वर्य कुमार सिन्हा, चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, योगेन्द्र सोनी, रोशन वर्मा,एवं आरक्षक अन्य स्टाफ की की सराहनीय भूमिका रही।

03 अगस्त को होगी प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा, प्रशासन ने की व्यापक तैयारियां

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा का आयोजन आगामी 3 अगस्त 2025, रविवार को दंतेवाड़ा जिले में किया जाएगा। परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में जिलेभर से कुल 772 परीक्षार्थी भाग लेंगे। परीक्षा को सुचारु, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में प्रशासन द्वारा पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं बिजली विभाग को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए उड़नदस्ता दल तथा निरीक्षक (ऑब्जर्वर) भी नियुक्त किए गए हैं, जो परीक्षा के दौरान अनुशासन एवं निष्पक्षता बनाए रखने में सहयोग करेंगे।

परीक्षा के लिए जिले में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दंतेवाड़ा (कोड 1401),शासकीय महेन्द्र कर्मा कन्या महाविद्यालय, दंतेवाड़ा (कोड 1402) तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दंतेवाड़ा (कोड 1403) शामिल हैं।

परीक्षा के संचालन की जिम्मेदारी संयुक्त कलेक्टर भरतराम धुर्वे को सौंपी गई है। उन्हें इस परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संयुक्त कलेक्टर धुर्वे ने सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचेगें ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। इसके अलावा अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने एवं फुटवियर के रूप में चप्पल पहनने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कानों में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित रहेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा केन्द्र से बाहर जाना वर्जित किया गया है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है।

ग्राम पंचायत कटुलनार की ग्राम सभा में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं स्वच्छता पर आधारित ''व्यवहार कॉर्नर'' पर हुआ विचार विमर्श

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - जिला प्रशासन, यूनिसेफ एवं एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज के संयुक्त तत्वाधान में विगत दिवस ग्राम पंचायत कटुलनार में आयोजित ग्राम सभा में बालक बालिका शिक्षा एवं अभिभावकों की भागीदारी, के तहत ''व्यवहार कॉर्नर'' ''रूप नही गुण को देखो'', ''आज क्या सीखा'', ''पढ़ाई का कोना'' जैसे बिन्दुओं के प्रति पालकों की भूमिका को बढ़ावा देने अपील किया गया। इस संबंध में जिला समन्वयक राजेश बघेल ने बताया कि जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन, समग्र शिक्षा एवं यूनिसेफ के सहयोग से ग्राम पंचायत में ''व्यवहार कॉर्नर'' बनाया गया है, जिससे शारीरिक आत्म विश्वास एवं स्वस्थ किशोरावस्था में अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित किया जा सके। जिले के इस पहले ''व्यवहार कॉर्नर'' अन्तर्गत समुदाय आधारित बालक बालिका शिक्षा भेदभाव, बाल विवाह, माहवारी के दौरान भेदभाव, किशोरावस्था से जुड़ी लैंगिक और शारीरिक बनावट संबंधी भेदभाव को समाप्त करने हेतु पहल की गई। साथ ही बच्चों को सुरक्षित माहौल के साथ पढ़ाई के लिए प्रेरित करने ''आज क्या सीखा'',एवं ''पढ़ाई का कोना'' बनाने हेतु पालकों से आग्रह किया गया। ग्राम सभा में सरपंच, सचिव, वार्ड पंच, शिक्षक, युवोदय विकासखंड समन्वयक, मितानिन,युवोदय स्वयं सेवक, ग्रामीण, समूह की महिलाएं एवं मितानिन उपस्थित रहे।

गोकुलनगर का होगा जीर्णोद्धार बायो गैस संयंत्र होगा चालू.......

कोरबा। गोकुलनगर स्थित नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा संचालित गोठान का अब जीर्णोद्धार कर उसे पूर्ण रूप से व्यवस्थित किया जाएगा, इसके साथ ही गोठान परिसर में स्थापित बायो गैस संयंत्र को भी चालू कराया जाएगा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने प्रातः भ्रमण के दौरान गोकुलनगर पहुंचकर गोठान का निरीक्षण किया तथा उक्त व्यवस्थाओं के संबंध में त्वरित कार्यवाही किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होने गोकुलनगर के निवासियों से उनकी समस्याओं पर चर्चा की तथा निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी अधिकारियों को दिए। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय मंगलवार को अधिकारियों की टीम के साथ सुबह-सुबह गोकुलनगर पहुंचे, उन्होने वहॉं पर स्थित गोठान का सघन रूप से निरीक्षण किया। यहॉं उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा गोकुलनगर में गोठान का संचालन किया जा रहा है, जहॉं पर मवेशियों के ठहराने व उनके खाने-पीने का प्रबंध किया गया है, शहर की सड़कों में स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को सड़कों से उठाकर उक्त गोठान में ही रखा जाता है, वर्तमान में गोठान में 100 से अधिक मवेशी रखे गये हैं। आयुक्त पाण्डेय ने गोठान के निरीक्षण के दौरान पाया कि वर्तमान में वहॉं पर अपेक्षाकृत शेड की संख्या कम है तथा और अधिक संख्या में शेड लगाया जाना आवश्यक है, ताकि गोठान में रखे गये सभी मवेशियों के लिए पर्याप्त छायादार स्थान की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार शेड स्थापित किये जाएं तथा सुरक्षा के मद्देनजर बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत व जीर्णोद्धार हेतु त्वरित कार्यवाही की जाए, इसके साथ ही गोठान में अन्य मरम्मत व जीर्णोद्धार का कार्य करने एवं वहॉं की सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त किए जाने के निर्देश भी उन्होने अधिकारियों को दिए। यहॉं उल्लेखनीय है कि उक्त गोठान परिसर में निगम द्वारा पूर्व में बायो गैस संयंत्र की स्थापना कराई गई थी किन्तु संयंत्र को प्रारंभ नहीं किया जा सका था, आयुक्त पाण्डेय ने उक्त संयंत्र का निरीक्षण किया, की गई व्यवस्थाओं को देखा तथा संयंत्र को चालू करने के संबंध में त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आर.पी.नगर की समस्याएं होंगी दूर - आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने वार्ड क्र. 31 राजेन्द्र प्रसाद नगर के पार्षद अशोक चावलानी एवं अधिकारियों की टीम के साथ वार्ड का सघन रूप से भ्रमण किया, वहॉं की समस्याओं को देखा तथा सभी प्रमुख समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान आयुक्त पाण्डेय ने राजेन्द्र प्रसाद नगर फेस-2 रेलवे लाईन के किनारे स्थित कालोनी में जलभराव की समस्या को दूर करने, वहॉं पर स्थित नाले की सफाई, आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य एवं नाले को रोड साईड पर कवर्ड करने के निर्देश अधिकारियों को दिए ताकि नाले के ओव्हरफ्लो होने के कारण होने वाले जलभराव को समाप्त किया जा सके। आयुक्त पाण्डेय ने शिवाजीनगर की ओर पोड़ीबहार की तरफ जाने वाले मार्ग पर पक्की सड़क बनाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए, वार्ड में स्थित कबीर आश्रम के पास स्थित शासकीय भूमि पर बेजा कब्जा की कोशिश हो रही है, इसकी शिकायत प्राप्त होने पर उन्होने उक्त जमीन को सुरक्षित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

संक्षिप्त समाचार

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् चालान की राशि नहीं जमा करने पर 1 माह 15 दिन की कारावास

मूक पत्रिका/दन्तेवाड़ा - पुलिस अधीक्षक गौरव राय (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. के. बर्मन तथा उप पुलिस अधीक्षक यातायात नसर उल्लाह सिद्धिकी के मार्गदर्शन में सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र त्रिपाठी के हमराह स्टाफ प्रधान आरक्षक थान सिंह देशमुख आरक्षक आदित्य कंदोई , हेमलाल रावते ,वीरेंद्र कुमार वर्मा एवं यातायात की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 27/07/25 को वाहन चेकिंग के दौरान गायत्री चौक दंतेवाड़ा में ट्रक चालक आधिपत्य वाहन क्रमांक ञ्जस् 29 ञ्जक्क 5679 को प्रतिबंधित क्षेत्र एवं बिना मूल दस्तावेज के वाहन चलाने पर माननीय सीजेएम न्यायालय दंतेवाड़ा प्रस्तुत किया गया जहां पर न्यायालय द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन चलाने एवं मूल दस्तावेज पेश नहीं करने पर ट्रक चालक याकूब पासा पिता एच डी रहीम उम्र 29 वर्ष साकिन भद्राद्री तेलंगाना को ? 22100 के अर्थ दंड से दंडित किया गया परंतु ट्रक चालक द्वारा अर्थ दंड की राशि जमा नहीं करने पर न्यायालय द्वारा 01 माह 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में डॉ. मेघेश तिवारी हुए, सम्मानित

मूक पत्रिका/ बेमेतरा/देवकर - सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में दंडी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज के द्वितीय दिव्य चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान के अवसर पर रविवि के कार्यपरिषद के वरिष्ठ सदस्य एवं विप्र कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, डॉ. मेघेश तिवारी का शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।डॉ. मेघेश तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश तिवारी के बड़े भाई हैं। सलधा में दंडी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज के द्वितीय दिव्य चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान अवसर पर आयोजित समारोह में सरस्वती महाराजश्री ने अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया। सम्मान से अभिभूत डॉ. मेघेश तिवारी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब सम्मान के रूप में दंडी स्वामी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज जी का आशीर्वाद मिला है। उनके करकमलों प्राप्त सम्मान से शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए नवीन उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है।

सतनाम भवन नवागढ़ में ममतामयी मिनी माता पुण्यतिथि की आयोजन तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

मूक पत्रिका/ बेमेतरा/नवागढ़ - बीते शुक्रवार को सतनाम भवन नवागढ़ में ममतामयी मिनी माता की पुण्यतिथि समारोह की भव्य तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस आयोजन को ऐतिहासिक और गरिमामयी स्वरूप देने हेतु समाज के प्रबुद्ध जनों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए समाजजनों को मार्ग प्रशस्त किया तथा आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। सभी समाजबंधुओं ने सामूहिक रूप से आयोजन को सफल बनाने हेतु समर्पित भाव से सहयोग और मार्गदर्शन देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह का वातावरण है।

शीर्षक : हमर भगवान

दाई ददा हे भगवान
युवा बुर्जुग 'ल होगे ग.सियान
संझा बिहीनिया करले ग प्रणाम
दाई ददा के करले ग प्रणाम
मरे के बाद नई मिलय ग दुबारा ।
जग मा हवैय ग महान
दाई ददा के करले ग परनाम ॥

दाई ददा के पांव पखा रव
सदा नवाव माथ ल ।
करलव सेवा सब तर जाहु
झन छौड़व जी साथ ल ॥
दया मया ल संगमा राखव
ओकर करलव ग गुण गान ॥
संझा बिहीनिया करले ग प्रणाम '
संझा बिहिनीय करले प्रणाम
दाई ददा के करले ग परनाम ॥

दाई ददा तोर प्रगट देवता
घर बइठे तै करले सेवा ।
पथरा मुरती के पूजा छौड़व
देवी देवता ल घुरवा म गाड़व ॥
घर बइठे सेवा हे महान
संझा बिहीनिया करले ग प्रणाम
दाई ददा के करले ग परनाम 卐

दाई ददा ह . ददा बबा सिखाये
मामा नाना बोले ल सिखाये ।
हाथ ल धरके रेंगे .ला सिखाये
गोदी म पाके गली गली घुमाये ॥
काबर बनत हव ग नदान '
संझा बिहीनिया करले ग प्रणाम
दाई ददा के करले ग परनाम ॥

कमा कमा 'के कौड़ी कौड़ी ग बचाये
स्कुल भेज के तोला ग पढ़ाये ।
तोला खवाके अपन खाये
पढ़ा लिखा के .तोला गुनवान ग बनाये ॥
पंडित बनेव ग विद् ?वान
संझा बिहिनिया करले ग प्रणाम
दाई ददा के करले ग परनाम ॥

रचनाकार
गणेशमहंत नवलपुरिहा

कार्यालय, सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन – मोहंदी
विकासखण्ड मगरलोड, जिला धमतरी (छ.ग.)

// आई.एफ.सी. (IFC) एंकर भर्ती विज्ञापन //

एकीकृत फार्मिंग कलस्टर अंतर्गत आई.एफ.सी. (IFC) एंकर ग्रामीण क्षेत्रों के आजीविका सवंर्धन हेतु फार्म, ऑफ फॉर्म, एवं नॉन फॉर्म आजीविका विभिन्न कार्य जैसे एग्रो इकोलॉजिकल पद्धति, मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर में सुधार फसल विविधीकरण और उत्पादकता में सुधार एवं एग्रीन्यूट्री गार्डन के माध्यम से पोषण में सुधार, पशुधन प्रबंधन, नस्ल में सुधार, समय पर पशु चिकित्सा देखभाल और टीकाकरण को अपना कर महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों मुख्यतः महिला किसानों एवं पशुपालकों के आजीविका स्तर को बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन मोहंदी, विकासखंड मगरलोड, जिला धमतरी (छ.ग.) को कियान्वयन एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। इस कार्य के संचालन एवं कियान्वयन हेतु आई.एफ.सी. (IFC) एंकर की भर्ती की जानी है। उक्त आई.एफ.सी. (IFC) एंकर की भर्ती पूर्णकालिन के लिए ही होगी। यह भर्ती पूर्ण रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत गठित सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन मोंहदी के स्वामित्व के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, अर्द्धशासकीय, निजी संस्था से कोई संबंध नहीं है।

आवेदन करने की प्रारंभिग तिथि 01.08.2025 व अंतिम तिथि 09.08.2025 शाम 5:00 बजे तक केवल पंजीकृत डॉक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से पता कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मगरलोड, जिला धमतरी (छ.ग.)– 493662 के पते पर आमंत्रित किया जावेगा। ई–मेल अथवा अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यम से स्वीकार नहीं किये जावेंगे। अंतिम तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन को स्वतः निरस्त माना जावेगा।

आई.एफ.सी. एंकर पद संख्या –01 (अनारक्षित) हेतु आवश्यक अर्हता, मापदण्ड, मानदेय व भत्ता का विवरण –

क.	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	न्यूनतम कार्यानुभव (वर्ष)	एकमुश्त मासिक मानदेय (रू. में)	यात्रा भत्ता (रू. में)	वांछित अर्हता
1	2	3	4	5	6
1	शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विषय में स्नातक उपाधि	निर्धारित शैक्षणिक अर्हता उपरांत फील्ड स्तर पर कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका कार्य का न्यूनतम 01 वर्ष का अनुभव	30000/–	3000/–	यदि कॉलम 2 एवं 3 अनुसार उम्मीदवारों की अनुपलब्धता होती है तो शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नियमित स्नातक डिग्री के साथ ग्रामीण स्तर एवं कृषि संबंधित कार्य का 02 वर्ष का अनुभव वांछित। ग्रामीण परिपेक्ष्य एवं मार्केटिंग में कार्यानुभव को प्राथमिकता। हिन्दी एवं अग्रेंजी भाषा में कार्य करने में सक्षम। साथ ही स्थानीय भाषा का ज्ञान हो। कम्प्युटर एवं एम.एस.ऑफिस में कार्य करने में दक्ष हो एवं हिन्दी व अंग्रेजी टाईपिंग आती हो। रिपोर्ट लेखा एवं डेटा प्रबंधन में दक्षता। क्षेत्र भ्रमण के लिए आवश्यक समस्त दस्तावेज सहित स्वयं का वाहन (दो–पहिया)

टीपः विस्तृत जानकारी के लिए बिहान कार्यालय जनपद पंचायत मगरलोड में संपर्क करें।

अध्यक्ष/सचिव/कोषाध्यक्ष
सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन मोहंदी
ग्राम बेलोरा (पुराना पंचायत भवन) वि.खं. मगरलोड, जिला धमतरी (छ.ग.)

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त 2 अगस्त को होगी जारी, छत्तीसगढ़ के 25.47 लाख किसानों को मिलेंगे 553 करोड़ रुपये

कांकेर/मूक पत्रिका

सावन मास के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों और मीडिया प्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं। इसी अवसर पर किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2 अगस्त 2025 को 20वीं किश्त की राशि किसानों के ख में अंतरित की जाएगी। इस दिन पीएम किसान दिवससमारोह भी आयोजित किया जाएगा। देश के प्रधानमंत्री द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन्हीं प्रयासों को राज्य में और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ में किसानों की भलाई के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, सिंचाई कर माफी और बोनस वितरण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने वादा किया था कि धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी, जिसमें 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तय की गई थी। बीते दो खरीफसीजन में यह वादा निभाया गया। पिछली खरीदी में 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया। धान बोनस के रूप में 13 लाख किसानों के खातों में 3716 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। साथ ही, किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में ड्रोन दीदी योजना लागू की गई है। इसके अलावा परंपरागत खेती के साथ-साथ दलहन, तिलहन, मोटे अनाज, सब्जी, फल, डेयरी जैसे क्षेत्रों में भी किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।इस बार 20वीं किश्त के अंतर्गत 25 लाख 47 हजार 538 किसानों को 553 करोड़ 34 लाख रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। फरवरी 2019 से लेकर अब तक कुल 9765 करोड़ 26 लाख रुपये किसानों को इस योजना के अंतर्गत दिए जा चुके हैं। राज्य शासन द्वारा 2 लाख 34 हजार वन पट्टाधारी किसान एवं 32 हजार 500 विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति के किसानों को भी योजना में पंजीकृत कर लाभान्वित किया गया है। विशेष वर्गों के किसानों के लिए कृषि भूमि की अनिवार्यता को शिथिल किया गया है। वर्ष 2024-25 में, पिछले वर्ष की तुलना में 2 लाख 75 हजार से अधिक नए किसानों को इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। मीडिया माध्यम से प्रदेश के सभी किसान भाई-बहनों से अनुरोध है कि वे अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र, विकासखंड कार्यालय, प्राथमिक सेवा सहकारी समिति या पीएम किसान समृद्धि केंद्र में उपस्थित होकर 2 अगस्त को पीएम किसान दिवस समारोह में भाग लें।

सट्टा खेलाने वाले एक आरोपी को बस्तर पुलिस ने किया गिरफ्तार

बोधघाट थाना क्षेत्र का हैं मामला ,एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय में किया गया पेश

बस्तर/जगदलपुर/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रूपये पैसे का दांव लगाकर सट्टा खेलाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। ज्ञात हो कि दिनांक 30.07.2025 को जुर्म जारयम पता साजी दौरान जरिये मुखबिर सूचना मिला कि झोपडी पारा संजय गाँधी वार्ड निवासी युवराज दास अपने किराना दुकान में बैठ कर सट्टा पट्टी पर्ची लिखकर हार जीत का जुआ खेला रहा है, कि सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अमित देवांगन के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, उक्त टीम के द्वारा मुखबिर के बताये स्थान में पहुंचकर युवराज दास पिता भगवान दास उम्र 46 वर्ष निवासी संजय गाँधी वार्ड झोपडी पारा को हिरासत में लेकर तलाशी लिया गया जिसके कब्जे से सट्टा पर्ची 12नग, नगदी रकम 1,360/- रु, एक नग पुराना इस्तेमाली पेन जप्त करते हुए उक्त आरोपी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में न्यायालय में पेश किया गया। महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अधिकारी- निरीक्षक - लीलाधर राठौरउ. नि. - ललित नेगी, लोकेश्वर नागप्र.आर. - मयाराम कश्यप, सुनील मनहर, आरक्षक -परमानद भोयर, विजय तिर्की,प्रतिमा रावटेनाम आरोपी :- युवराज दास पिता भगवान दास उम्र 46 वर्ष निवासी झोपडी पारा संजय गाँधी वार्ड जगदलपुर।

सेवानिवृत हुए सीएमओ भोला सिंह ठाकुर, विदाई के दौरान हुए भावुक

नए सीएमओ विक्रण भगत ने किया पदभार ग्रहण

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

नगर पालिका परिषद चांपा में एक साल चार महीने रहे सीएमओ भोला सिंह ठाकुर बीते गुरुवार को सेवा निवृत हुए। जिसको लेकर नगर पालिका के सभा कक्ष में सेवानिवृत्त कार्यक्रम रखा गया,जिसमें अन्य जगह के सीएमओ और पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, एवं उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह खटकर और परिषद के सभी पार्षद एवं गणमान्य नागरिक थे। प्रदीप नामदेव ने फूल माल पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप स्वस्थ रहें एवं जहां भी रहे वहां आपका उज्जवल भविष्य हो । 1 साल चार महीने में सीएमओ ठाकुर ने जनता को परेशान नही होने दिया एवं अब आप अपने परिवार के साथ खुश रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी स्टाफने उन्हें फूल माल पहनाकर विदाई दी एवं इस दौरान सीएमओ भोला सिंह ठाकुर ने अपार प्रेम देखकर वह भावुक हो गए और कहा कि जब तक इस पद पर सभी लोग है वह सिर्फ जनता की सेवा के लिए ही कार्य करें एवं जब तक मैं अपनी नौकरी में था किसी को मेरे कमरे में से उदास नही जाने दिया इसलिए सरकार की जितनी योजना है वह जनता तक पहुंचे। कार्यक्रम के नगर पालिका चांपा के ईई योगेश राठौर ने भी सीएमओ ठाकुर के साथ कार्य अनुभवों को लोगो के साझा किया और कहा कि ठाकुर से उन्हें बहुत कुछ अच्छा करने की सिख मिली। विभागीय कार्यवाही की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए अपने पद से सेवानिवृत हो रहे सीएमओ भोला सिंह ठाकुर ने नगर पालिका चांपा का प्रभार विक्रण भगत को सौंपा। पूर्व में भी चांपा नगर पालिका परिषद चांपा में सीएमओ रह चुके है विक्रण भगत ।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित छात्रों से संवाद कार्यक्रम में हुए शामिल

कन्या छात्रावास एवं इंडोर स्टेडियम की मंत्री ने की घोषणा

जगदलपुर /मूक पत्रिका

प्रदेश के कृषि एवं सहकारिता मंत्री रामविचार नेताम बीते शुक्रवार को शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर परिसर में आयोजित छात्रों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री नेताम ने कहा कि कृषि संकाय के छात्रों को सिर्फ शासकीय नौकरी के लिए ही नहीं बल्कि नई-नई कृषि तकनीकी को सीखने के साथ-साथ अपने घर के अलावा गांव और प्रदेश के किसानों को जागरूक करते हुए नवीन तकनीकी जानकारी देकर कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की ओर प्रयास करने की आवश्यकता है । सभागार भवन में महाविद्यालय में नवप्रवेशित प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ ही पूर्व से अध्ययनरत छात्रों के साथ पढ़ाई, सुविधा और समस्या के बारे में चर्चा किए सभी छात्रों के द्वारा अलग- अलग विषयों पर खुलकर चर्चा की। संवाद में महाविद्यालय की छात्र संघ अध्यक्ष अन्या दत्ता ने एक 100 बिस्तर के कन्या छात्रावास एवं एक इंडोर स्टेडियम की मांग की जिसमें मंत्री नेताम ने तत्काल स्वीकृत करने की घोषणा की । इससे पहले कृषि एवं सहकारिता मंत्री रामविचार नेताम कृषि कॉलेज में उनके प्रथम आगमन पर अधिष्ठाता डॉ आर एस नेताम एवं सहसंचालक अनुसंधान डॉ ए के ठाकुर द्वारा मंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मंत्री नेताम ने कहा कि इस महाविद्यालय में कम सुविधा के बाद भी जगदलपुर महाविद्यालय ने बहुत प्रगति की है जिसके लिए कुलपति के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि हम चाहते है कि प्रदेश का हर महाविद्यालय ऐसे ही प्रगति करे जिससे कि हमारे प्रदेश के ही नहीं अपितु पूरे देश का नाम रोशन हो। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप, पार्षद संग्राम सिंह, उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ जी पी नाग , उपसंचालक कृषि, उपसंचालक उद्यानिकी, उपसंचालक मछलीपालन के साथ ही कृषि महाविद्यालय के डॉ तेजपाल चंद्राकर, डॉ पदमाक्षि ठाकुर, डॉ भुजेंद्र कुमार, एम बी तिवारी, डॉ सुरेश कुमार साहू के साथ ही समस्त वैज्ञानिक अधिकारी कर्मचारी समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रोफेसर डॉ. के. पी. वर्मा का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र ढोलिया, बेमेतरा में पौधों विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. के. पी. वर्मा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। डॉ. वर्मा ने 1989 से शिक्षकीय जीवन की शुरुआत की थी और तीन दशकों तक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में सेवाएं दीं। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. संदीप भंडारकर ने कहा कि डॉ. वर्मा का योगदान अनुसंधान और शिक्षण दोनों में उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने अलसी और सोयाबीन की रोग-रोधी किस्में विकसित कीं, ट्राइकोडर्मा तकनीक, बायोकंट्रोल लैब, मशरूम उत्पादन और बायोवेस्ट डीकंपोजर निर्माण जैसे नवाचार किए। सेवा काल में उन्होंने 30 एम.एस.सी. और 10 पीएच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया और तीन वर्षों तक अधिष्ठाता पद पर रहते हुए महाविद्यालय में कई विकास कार्य कराए। इस अवसर पर डॉ. तोशन ठाकुर, डॉ. टी. डी. साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। डॉ. वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती गीता वर्मा ने कविता के माध्यम से शुभकामनाएं दीं। सभी ने डॉ. वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चार माह से फरार चल रहे 04 आरोपियों को पकड़ने में थाना अकलतरा पुलिस को मिली सफलता

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में आरोपियों द्वारा एक राय होकर मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाकर फरार हो गया था। आहत सेम भारती निवासी बम्हनीन थाना अकलतरा। गिरफ्तार आरोपी क्र01. प्रेम चंद्रमा ओग्रे उम्र 22 वर्ष निवासी बम्हनीन 2. शिवा ओग्रे उम्र 21 वर्ष निवासी बम्हनीन 3. करण ओग्रे उम्र 25 वर्ष निवासी बम्हनीन 4. व्यंकटेश उम्र 25 वर्ष निवासी बम्हनीन थाना अकलतरा मामले में दिनांक 14.03.2025 को करीबन दोपहर 01.30 बजे मंदिर चौक बम्हनीन में गांव के लोग डीजे बाजा बजाकर नाच रहे थे जहां पर आरोपियों द्वारा कपड़ा फाड़ देने की मामूली बातों को लेकर अश्लील गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर चोट पहुंचाया, प्रार्थी सेम भारती निवासी बम्हनीन थाना अकलतरा की सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 88/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों द्वारा घटना घटित कर हो गया था फरार पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में लगातार पातासाजी की जा रही थी। विवेचना क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में आरोपियों को मुखबिर सूचना के आधार से पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर अपना अपना जुर्म स्वीकार करने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा चुका है।

कुपोषण के खिलाफसख्त अभियानः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन की कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े (महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग) ने बीजापुर सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में कुपोषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए जमीनी स्तर पर व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। मंत्री राजवाड़े ने अधिकारियों से कहा कि पूरक पोषण आहार का वितरण सुनिश्चित हो तथा घर-घर संपर्क कर हितग्राहियों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या, किराए व भवनविहीन केंद्रों की स्थिति, बिजली-पानी व शौचालय की उपलब्धता जैसे बिंदुओं की समीक्षा की गई।

रिक्त पदों को जल्द भरने के भी निर्देश मंत्री ने दिए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना व महतारी वंदन योजना जैसे कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि नियद और नेल्लानार क्षेत्र के पात्र लेकिन वंचित हितग्राहियों के दस्तावेज तुरंत तैयार कर लाभ पहुँचाया जाए। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं–दिव्यांग प्रमाण पत्र, पेंशन व सहायक उपकरण वितरण की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि महिला हेल्पलाइन और बाल विवाह के दुष्परिणामों को लेकर गांव-गांव में प्रचार-प्रसार जरूरी है। बैठक में विभाग के संचालक पी.एस. एल्मा, समेत परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों के सर्वगीण विकास के लिए विद्यालय और पालको ने की संवाद, जिले से नामित अधिकारियों की हर स्कूल में रही भागीदारी

जिले के 1588 शासकीय विद्यालयों में पालक- शिक्षक बैठक का हुआ आयोजन

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

नई शिक्षा नीति 2020 की मंशा अनुरूप एवं राज्य शासन के निर्णय अनुसार कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों के 1558 शासकीय शालाओं में 1 अगस्त 2025 को विद्यालय स्तर पर प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। प्रथम बैठक को विद्यालय स्तर पर व्यापक रूप से आयोजित करने के उद्धेश्य से जिले के 192 संकुलों में अन्य विभाग के अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाकर इनके द्वारा संकुल क्षेत्र के 6 से 10 स्कूलों की मानिटरिंग किया गया। इस बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित 11 मुद्दों जैसे - घर का वातावरण, छात्र दिनचर्या,बच्चों की अकादमिक प्रगति विद्यार्थियों के आयु,कक्षा अनुरूप स्वास्थ्य परीक्षण एवं पोषण की जानकारी,जाति, आय,निवास प्रमाण पत्र, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं,छात्रवृत्ति एवं विभागीय योजनाओं, पॉक्सो एक्ट 2012 का व्यापक प्रचार-प्रसार करना आदि पर चर्चा की गई।इसके बच्चों के सर्वागीण विकास के लिए विद्यालय और पालको ने की संवाद किया गया

जिसमें पालकों द्वारा छात्र-छात्राओं के बेहतर शिक्षा संबंधी प्रश्न भी उठाये गये जिसका विद्यालय के नोडल अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब दिया गया। शासन के इस निर्णय से पालकों में हर्ष देखा गया। इस कार्यक्रम को मूर्तरूप देने हेतु कलेक्टर द्वारा विद्यालय, संकुल, विकासखण्ड स्तर पर नोडल एवं सहायक नोडल बनाया गया था। इस कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एम.एल.ब्राम्हणी द्वारा बताया गया कि विद्यालयों में पालको से दीक्षा एप्प,ई जादुई पिटारा एवं डिजिटल लाईब्रेरी एप्प को प्लेस्टोर से मोबाईल में डाउनलोड करवाया गया जिससे पालक इन तीनों एप्प के बारे में जान पाये।जिला शिक्षा अधिकारी ने पालकों को व्यस्ततम वृहद् कृषि कार्य होने के बावजूद भी बैठक में उपस्थित होने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।